

ये कौन
चित्रकार है!

दिव्य आकाश

सुविचार

जीवन बादलों की तरह है,
पल-पल रंग बदलते हैं।
ये रंग कभी उजला
कभी धूंधला दिखाई देते हैं।

वर्ष -17, संयुक्तांक - 24+25

कोरबा, शुक्रवार, दिनांक 18 सितम्बर से 01 अक्टूबर 2026

पृष्ठ-8, मूल्य -रु.3.00

गोधूली बेला में बालको की छिमनियों के बीच आसमान में तैरते बादल
बरसात में बादलों के पल-पल रंग बदलती तस्वीरें मन में रोमांच पैदा करती हैं



हरिद्वार अधिवेशन
के संयोजक बने डॉ.
गजेंद्र तिवारी

कोरबा/पाली (दिव्य आकाश)।

थावे विद्यापीठ के कुलाधिपति महामंडलेश्वर स्वामी डॉ. हरिहरानंद सरस्वती के आदेश एवं कुलपति डॉ. विनय कुमार पाठक की अनुशंसा पर कुलसचिव डॉ. पी. एस. दयाल यति ने छत्तीसगढ़ के कोरबा निवासी प्रसिद्ध शिक्षाविद, समाजसेवी एवं कला-संस्कृति संरक्षक डॉ. गजेंद्र तिवारी को हरिद्वार अधिवेशन का संयोजक नियुक्त किया है। डॉ. गजेंद्र तिवारी का शिक्षा, समाजसेवा एवं कला-संस्कृति के क्षेत्र में लंबे समय से उल्लेखनीय योगदान रहा है। उन्हें सौंपी गई इस जिम्मेदारी पर थावे विद्यापीठ परिवार ने विश्वास व्यक्त किया है कि उनके संयोजन में हरिद्वार अधिवेशन सुव्यवस्थित, गरिमापूर्ण एवं सफल रूप से संपन्न होगा। डॉ. तिवारी के संयोजक बनने की खबर से शिक्षाविदों, समाजसेवियों, कलाकारों, पत्रकारों, विषय विशेषज्ञों एवं शुभचिंतकों में हर्ष का वातावरण है। डॉ. विश्वनाथ कश्यप, डॉ. विवेक तिवारी, डॉ. राधवेंद्र दुबे, डॉ. रमेश चंद्र श्रीवास्तव, विष्णु कुमार तिवारी, डॉ. कार्तिकेश्वर दुबे, शिव आशीष सोनकर, रामदत्त गौराहा, डॉ. भूपेंद्र धर दीवान, डॉ. विनोद कुमार वर्मा, कृष्ण कुमार पटेल, महावीर प्रसाद जायसवाल, अजय कुमार दुबे सहित सैकड़ों लोगों ने डॉ. गजेंद्र तिवारी को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए हरिद्वार अधिवेशन की गरिमापूर्ण एवं सफल आयोजन की कामना की है। विद्यापीठ परिवार एवं शुभचिंतकों ने विश्वास जताया कि डॉ. तिवारी के अनुभव, समन्वय क्षमता एवं सक्रिय नेतृत्व में हरिद्वार अधिवेशन नई उपलब्धियां स्थापित करेगा। . गजेंद्र तिवारी को मिली इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी को उनके शैक्षणिक अनुभव, सामाजिक सरोकारों, सांस्कृतिक सक्रियता एवं व्यापक जनसंपर्क का सम्मान माना जा रहा है। शुभचिंतकों एवं विद्यापीठ परिवार ने विश्वास व्यक्त किया कि उनके कुशल समन्वय एवं नेतृत्व में हरिद्वार अधिवेशन अपनी गरिमा, भव्यता और उद्देश्यपूर्ण आयोजन के लिए एक विशिष्ट पहचान स्थापित करेगा।

कर्मवीर सिंह बने छत्तीसगढ़ भाजपा के प्रदेश महामंत्री



रायपुर, एजेंसी।

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व ने कर्मवीर सिंह को छत्तीसगढ़ का संगठन महामंत्री बनाया है। इससे पहले कर्मवीर झारखंड के संगठन महामंत्री थे। वहीं, वर्तमान में छत्तीसगढ़ भाजपा के संगठन महामंत्री रहे पवन साय को झारखंड भाजपा के संगठन महामंत्री की जिम्मेदारी दी गई है।

पवन साय को झारखंड की जिम्मेदारी, अजय जामवाल महाराष्ट्र के प्रदेश महामंत्री बनाए गए

छत्तीसगढ़ से हटाकर झारखंड का संगठन सौंपा

पवन साय को अब झारखंड प्रदेश महामंत्री (संगठन) की जिम्मेदारी दी गई है। उनका संगठन केंद्र रांची रहेगा। वे लंबे समय तक छत्तीसगढ़ भाजपा के प्रदेश महामंत्री (संगठन) रहे हैं। 2022 में भी उन्हें प्रदेश टीम में इसी जिम्मेदारी पर रखा गया था। 2023 के विधानसभा चुनाव तक छत्तीसगढ़ में संगठन के प्रमुख फैसलों और कार्यकर्ताओं के साथ समन्वय में उनकी भूमिका रही। अब उन्हें छत्तीसगढ़ से हटाकर झारखंड का संगठन सौंपा गया है।



गुरुवार को राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने देश भर के लिए संगठन महामंत्री के नामों की घोषणा की। इसके साथ ही राष्ट्रीय संगठन महामंत्री सौदान सिंह को फिर से झारखंड भाजपा में सह महामंत्री की जिम्मेदारी दी गई है। सौदान सिंह 2014 के

विधानसभा चुनाव के समय झारखंड के प्रभारी थे और उनका चुनावी रणनीति में बड़ा योगदान था। इसके अलावा छत्तीसगढ़ संगठन से जुड़े रहे अजय जामवाल को महाराष्ट्र की जिम्मेदारी दी गई है। शिवप्रकाश को मुंबई का राष्ट्रीय संगठन सह महामंत्री बनाया गया है।

छत्तीसगढ़ संगठन से जुड़े रहे जामवाल

अजय जामवाल को अब महाराष्ट्र प्रदेश महामंत्री (संगठन) की जिम्मेदारी दी गई है। उनका संगठन केंद्र मुंबई रहेगा। मूल रूप से हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले के जोगिंदरनगर से जुड़े जामवाल ने छात्र जीवन में ABVP से संगठनात्मक काम शुरू किया। 2022 में उन्हें मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ का क्षेत्रीय संगठन महामंत्री बनाया गया। 2023 के विधानसभा चुनाव में उन्होंने दोनों राज्यों में संगठन की जिम्मेदारी संभाली। अब उन्हें महाराष्ट्र का संगठन सौंपा गया है।



मुख्य चुनाव आयोग आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ महाभियोग की तैयारी

SIR विवाद पर एकजुट हुआ विपक्ष

नई दिल्ली, एजेंसी।

विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के घटक दल निर्वाचन आयोग से संबंधित हालिया खुलासों के मद्देनजर मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने के लिए प्रस्ताव संबंधी नया नोटिस अगले कुछ दिनों के भीतर संसद के दोनों सदनों में देने की तैयारी में हैं। सूत्रों ने बताया कि विपक्षी दलों के बीच इस मुद्दे पर सहमति है और हाल में निर्वाचन आयोग के भीतर मतभेदों से जुड़ी खबरें सामने आने के बाद इस पहल को आगे बढ़ाने की तैयारी है। ज्ञानेश कुमार के खिलाफ विपक्षी दल तीसरी बार नोटिस देने की तैयारी में हैं।

बीते 24 अप्रैल को राज्यसभा में 73 विपक्षी सदस्यों ने उनके खिलाफ नोटिस दिया था। इससे पहले भी दोनों सदनों में विपक्षी सांसदों की ओर से ऐसा प्रस्ताव



लाने का नोटिस दिया था, जिसे खारिज कर दिया गया था। मुख्य निर्वाचन आयुक्त को हटाने की प्रक्रिया संविधान के अनुच्छेद 324(5) के तहत निर्धारित है और इसके लिए संसद में निर्धारित प्रक्रिया का पालन करना होता है। दरअसल, अंग्रेजी दैनिक 'इंडियन एक्सप्रेस' की खबर में दावा किया गया है कि निर्वाचन आयुक्तों सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने देशभर में मतदाता सूची के 'एसआईआर' के दौरान नाम जोड़े और हटाए जाने समेत कई मुद्दों पर आपत्तियां जताई थीं। दूसरी तरफ, निर्वाचन आयोग ने कहा कि विचार-विमर्श के दौरान अलग-अलग मत होना सामान्य प्रक्रिया का हिस्सा है तथा उसके सभी फैसले स्थापित वैधानिक प्रक्रियाओं के अनुरूप हैं।

ट्रंप को कोर्ट से बड़ा झटका, व्हाइट हाउस में मीडिया पर लगा बैन हटाया

वाशिंगटन, एजेंसी।

अमेरिका के एक संघीय न्यायाधीश ने बुधस्पतिवार को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस फ़ैसले पर अस्थायी रोक लगा दी, जिसके तहत तीन मीडिया प्रतिष्ठानों-सीएनएन, एमएस नाउ और पॉलिटिको को व्हाइट हाउस परिसर में आने से रोक दिया गया था। न्यायाधीश ने कहा कि संबंधित मीडिया प्रतिष्ठानों को व्हाइट हाउस आने-जाने की अनुमति फिर से मिलनी चाहिए। यह राष्ट्रपति ट्रंप और उन मीडिया संस्थानों के बीच बढ़ते टकराव का ताजा घटनाक्रम है, जिनकी कवरेज उन्हें पसंद नहीं है।

ट्रंप ने 18 सितंबर को इन मीडिया प्रतिष्ठानों पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा करते हुए आरोप लगाया था कि वे फर्जी खबर फैला रहे हैं। ट्रंप द्वारा 2017 में मनोनीत किए गए और 2018 में सीएनएन के एक पत्रकार की पहुंच बहाल करने का आदेश देने वाले अमेरिकी जिला न्यायाधीश टिमोथी केली ने बुधवार को दलीलें सुनीं और बिना किसी फ़ैसले के सुनवाई खत्म कर दी। न्यायाधीश ने बुधस्पतिवार को अस्थायी रोक का आदेश जारी किया, जो 14 दिन तक लागू रहेगा। ऐसे आदेश आमतौर पर तब तक यथास्थिति बनाए रखने के लिए दिए जाते हैं, जब तक कि अदालत मामले की बारीकी से समीक्षा न कर ले।

नेपाल के एयरपोर्ट पर पहुंचे सोने के तस्कर, भारतीय नागरिक समेत दो गिरफ्तार

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर बुधस्पतिवार को आधा किलोग्राम से अधिक अवैध सोना रखने के आरोप में एक भारतीय नागरिक सहित दो लोगों को गिरफ्तार किया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पुलिस ने संदिग्ध गतिविधियों के आधार पर पीछा करने के बाद काठमांडू स्थित त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पार्किंग क्षेत्र से 42 वर्षीय मोहम्मद चेरा थोडी को गिरफ्तार किया।



गुजरा। ट्रंप ने B-1 बॉम्बर को देखकर सलामी दी, लेकिन तेज आवाज के कारण वो परेशान दिखाई दिए।

काँकरोच पार्टी बोली-मुख्य चुनाव आयुक्त 48 घंटे में इस्तीफा दें, वरना देशभर में आंदोलन करेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी।

काँकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने गुरुवार को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को 48 घंटे में इस्तीफा देने का अल्टीमेटम दिया है। पार्टी ने कहा कि अगर उन्होंने इस्तीफा नहीं दिया तो देशभर में आंदोलन किया जाएगा और इसके बाद दिल्ली में प्रदर्शन करेंगे।

CJP फाउंडर अभिजीत दीपके ने दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा- ज्ञानेश कुमार इस देश के सबसे बड़े गद्दार हैं। उन्होंने स्टूक के जरिए देश में 13 करोड़ से ज्यादा वोट डिलीट किए। लोगों से वोट देने का अधिकार छीना जा रहा है।

दीपके ने कहा- लोकतंत्र का मतलब है कि जनता अपनी सरकार चुने। लेकिन जब से ज्ञानेश कुमार मुख्य चुनाव आयुक्त बने हैं, तब से सरकार यह तय कर रही है कि कौन वोट करेगा और कौन नहीं।

दरअसल, बुधवार को इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने SIR को लेकर पिछले 10 महीनों में आयोग के फैसलों और आदेशों पर कम से कम 14 बार आपत्ति दर्ज की, लेकिन कोई एक्शन नहीं लिया गया।

ममता-केजरीवाल की सीटों पर वोट डिलीट हुए

1. 2024 के नतीजों के बाद BJP डरी: 2024 के चुनाव में BJP बहुमत हासिल नहीं कर सकी। '400 पार' का नारा देने के बाद वह 240 सीटों पर आ गई। इसके बाद उन्हें महसूस हुआ कि क्षेत्रीय पार्टियां मजबूत हो रही हैं।

2. क्षेत्रीय नेताओं को एक-एक कर हारने का आरोप: महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे हों, NCP, एमके स्टालिन, पिनराई विजयन, अरविंद केजरीवाल या ममता बनर्जी, इन सभी मुख्यमंत्रियों को एक-एक करके हराया गया। यह महज संयोग नहीं हो सकता। ये सभी 2024 में एक साथ आए थे और उन्होंने मिलकर भाजपा के खिलाफ प्रचार किया था।

3. विपक्ष को खत्म करने की कोशिश का सवाल: क्या यह कदम सिर्फ मजबूत विपक्षी नेताओं को खत्म करने के लिए उठाया गया था? हमें विपक्ष या किसी खास पार्टी से कोई विशेष लगाव नहीं है। लेकिन अगर लोकतंत्र में पूरे विपक्ष को ही खत्म कर दिया जाए, तो क्या इसे लोकतंत्र कहा जा सकता है? रिपोर्ट में दावा- चुनाव आयुक्तों ने आपत्तियां ज्ञानेश कुमार को भेजी थीं

इंडियन एक्सप्रेस की 23 सितंबर की रिपोर्ट के मुताबिक, चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने 28 अक्टूबर 2025 से 14 अगस्त 2026 के बीच 14 बार आयोग के फैसलों पर लिखित आपत्ति दर्ज की।

॥ श्री गणेशिकाश्याम नमः ॥ श्री धनवन्तरये नमः ॥

आयुर्वेदिक चिकित्सा परामर्श केन्द्र

सीएसईवी चोक

दूर-7 गिब हिल

स्टेडियम रोड

ट्रांसपोर्ट नगर चोक

मुड़ापार रोड

अनारकल चोक

पारिवारिक चोक

Dr. Yugesh Sharma

M.D. (N.M.) Regn. 51049/16

सभी कंपनियों के आयुर्वेदिक दवाईयों के थोक एवं चिल्हर विक्रेता

शिव हर्बल मेडिकल स्टोर

शॉप नं. 07 अल्का काम्प्लेक्स, टी.पी. नगर, कोरबा (छ.ग.) मो.: 9302358945

इन बीमारियों का ईलाज

गाठिया, जोड़ों का दर्द, साईटिका, श्वास, दमा, खांसी पुराना नजला, गैस, खाज, खुजली, शुगर, बवासीर, पथरी, लिकोरियो आदि।

शराब छुड़ाने की हर्बल दवा

एक कदम आयुर्वेद की ओर ... स्वस्थ रहो अभियांत्र...

सेवा संकल्प अभियान के तहत सर्वमंगला हसदेव नदी घाट पर चला स्वच्छता अभियान, गोपाल मोदी ने दिलाया स्वच्छता का संकल्प

कोरबा (दिव्य आकाश)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनसेवा एवं जनकल्याण के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक आयोजित ‘सेवा संकल्प अभियान’ के अंतर्गत भारतीय जनता पार्टी द्वारा ‘सेवा मेरा योगदान’ कार्यक्रम के तहत सर्वमंगला-हसदेव नदी घाट पर स्वच्छता अभियान चलाया गया।

भाजपा जिलाध्यक्ष गोपाल मोदी के मुख्य आतिथ्य में आयोजित इस स्वच्छता अभियान में भाजपा पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकर्ताओं ने जिला प्रशासन तथा नगर पालिक निगम के साथ मिलकर घाट परिसर की स्वच्छता की। अभियान के दौरान स्वच्छता के प्रति जनजागरूकता का संदेश देते हुए सभी ने अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर जिलाध्यक्ष गोपाल मोदी ने उपस्थित भाजपा पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, कार्यकर्ताओं एवं अधिकारियों-कर्मचारियों को स्वच्छता की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि स्वच्छता केवल एक दिन का अभियान नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की निरंतर जिम्मेदारी है। स्वच्छ और सुंदर कोरबा के निर्माण में जनभागीदारी की महत्वपूर्ण भूमिका है। कार्यक्रम के दौरान स्वच्छता कर्मियों को आवश्यक किट का वितरण कर उनके योगदान के प्रति सम्मान भी व्यक्त किया गया। इस अवसर पर पूर्व महापौर जोगेश लांबा, जिला महामंत्री अजय विश्वकर्मा, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य श्रीमती मीना शर्मा, एमआईसी सदस्य नरेंद्र देवांगन, जिला उपाध्यक्ष श्रीमती रुक्मणी नायर, योगेश जैन, नगर निगम कमिश्नर आशुतोष पांडेय, जिला पंचायत सीईओ प्रतीक जैन, कमला बरेठ, ज्योति वर्मा, अर्जुन गुप्ता, मनोज राठौर, योगेश मिश्रा, डॉ. राजेश राठौर, मनीष मिश्रा, प्रीति स्वर्णकार, शैलेन्द्र यादव, नीरज ठाकुर व संजय राठौर सहित भाजपा पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।



सेवा ही संकल्प है, स्वच्छता ही हमारी जिम्मेदारी है।

आयोजित स्वच्छता अभियान के माध्यम से भाजपा ने सेवा, स्वच्छता और जनभागीदारी का संदेश दिया तथा स्वच्छ

और सुंदर कोरबा के निर्माण के लिए इस संकल्प को निरंतर आगे बढ़ाने का आह्वान किया।



ACB समूह और SECL में करोड़ों के कोयला घोटाले की CBI व SIT जांच की मांग, बिलासपुर मुख्यालय पर भारतीय जनाधिकार पार्टी का विशाल प्रदर्शन



बिलासपुर/कोरबा (दिव्य आकाश)।

भारतीय जनाधिकार पार्टी (छत्तीसगढ़) के तत्वावधान में 23 सितंबर बुधवार को साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड SECL मुख्यालय बिलासपुर के समक्ष एक विशाल धरना-प्रदर्शन आयोजित कर ज्ञापन सौंपा गया। यह प्रदर्शन ACB समूह की विभिन्न कोल वाशरियों दीपका गेवरा कुसमुंडा चाकाबुड़ा रतिजा रेंकी बिंद्वारी तथा संबद्ध ताप विद्युत परियोजनाओं कोयला परिवहन एवं रेलवे साइडिंग में वर्ष 1999 से जारी कथित व्यापक वित्तीय व प्रशासनिक अनियमितताओं की बहु-विभागीय जांच की मांग को लेकर किया गया।

धरना-प्रदर्शन की प्रमुख मांगें

CBI एवं उच्चस्तरीय SIT जांच:- 1999 से वर्तमान तक के उपलब्ध अभिलेखों के आधार पर वित्तीय व डिजिटल फोरेंसिक ऑडिट तथा भौतिक सत्यापन कराया जाए।

कोयला अफरा-तफरी की निष्पक्ष जांच:- स्वीकृत क्षमता और वास्तविक उत्पादन/प्रसंस्करण का वर्षवार मिलान हो प्रतिवर्ष 1 करोड़ टन से अधिक कच्चे व रिजैक्ट कोयले के परिवहन के स्रोत वाशरी प्रसंस्करण एवं वास्तविक उपयोग का वैज्ञानिक हिसाब निकाला जाए।

पर्यावरण व पेसा कानून का पालन:- दीपका के 10 किमी दायरे में वायु जल भूजल कृषि व जनस्वास्थ्य पर स्वतंत्र वैज्ञानिक सर्वे हो ग्रामसभा की वास्तविक सहमति तथा वनाधिकारों के अनधिकृत उपयोग की जांच हो।

ईंधन व कर छूट का मिलान:- वर्ष 2015 से औद्योगिक डीजल/बायोडीजल की खरीद और ACB ग्रुप को मिली कर छूट/सरकारी प्रोत्साहनों का वर्षवार परीक्षण किया जाए।

डिजिटल साक्ष्य सुरक्षित हो:- तौल कांटा सर्वर GPS Fastag ANPR CCTV RFID CEMS तथा ERP/SAP डेटा को तत्काल सुरक्षित करने के निर्देश दिए जाएं।

श्रमिक अधिकार व अधिकारियों की जवाबदेही:- न्यूनतम मजदूरी EPF ESIC सुरक्षा मानकों की जांच हो तथा निरीक्षण में लापरवाही बरतने वाले नियामक अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई हो।

प्रमुख वक्ताओं के विचार

पार्टी के प्रदेश संयोजक दीपक दुबे ने कहा कि यह अरबों-खरबों रुपये के रिजैक्ट कोल और उच्च गुणवत्ता के कोयले की अफरा-तफरी का गंभीर मामला है जब कोल लेवी मामले में वरिष्ठ अधिकारी व कारोबारी जेल में हैं, तो 6.5 लाख टन अवैध कोयला पकड़े जाने के बावजूद इस वाशरी संचालक पर ठोस कार्रवाई क्यों नहीं हुई? कोल लेवी की अवैध वसूली 25 रुपये से बढ़कर 50 रुपये प्रति टन हो चुकी है जिसके लिए SECL के जिम्मेदार अधिकारी सीधे दोषी हैं। युवा मोर्चा के प्रदेश संयोजक संजय रत्नाकर ने बताया कि कोरबा में पेसा एक्ट लागू होने के बावजूद सैकड़ों एकड़ जंगल की जमीन कंपनियों के नाम कैसे दर्ज हो गई इसकी पारदर्शी जांच होनी चाहिए।

एसईसीएल गेवरा में सदस्यता सत्यापन के दौरान शराब वितरण पर बवंडर, दो यूनिथनों में विवाद

कोरबा/गेवरा (दिव्य आकाश)।

साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड की गेवरा परियोजना अंतर्गत एक्स-वर्कशॉप गेट के पास गत 12 सितंबर 2026 को सदस्यता सत्यापन (यूनिथन वेरिफिकेशन) के दौरान एक बेहद आपत्तिजनक व शर्मनाक मामला सामने आया है। सत्यापन स्थल पर कर्मचारियों को खुलेआम शराब व अन्य नशीले पदार्थ बांटे जाने को लेकर दो श्रमिक संगठनों के बीच तीखी झड़प और भारी विवाद की स्थिति निर्मित हो गई।

सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि यह पूरा घटनाक्रम एसईसीएल गेवरा क्षेत्र के वरिष्ठ प्रबंधक (मानव संसाधन) नेताम की प्रत्यक्ष मौजूदगी में घटित हुआ, लेकिन इसके बावजूद स्थिति पर अंकुश लगाने या दोषियों पर रोक लगाने का कोई प्रयास नहीं किया गया।

सीआईएसएफ बैरियर की सख्त सुरक्षा पर उठे बड़े सवाल

गेवरा खदान के सीआईएसएफ बैरियर को अत्यंत संवेदनशील व हाई-सिक्योरिटी जोन माना जाता है। यहाँ बिना कड़े चेकिंग गेट पास सर में हेलमेट और वाहनों की सघन तलाशी के ना तो कोई व्यक्ति अंदर प्रवेश कर सकता है और ना ही खदान क्षेत्र से कोई सामान बाहर ले जाया जा सकता है ऐसे अति-सुरक्षित क्षेत्र के भीतर भारी मात्रा में नशीले पदार्थ और शराब कैसे पहुँचे?

क्या सीआईएसएफ बैरियर की चेकिंग केवल आम कर्मचारियों और खदान मजदूरों के लिए है? क्या जानबूझकर शराब और नशीली सामग्रियों को अंदर जाने की छूट दी



गई? यह पूरे सुरक्षा तंत्र की भारी लापरवाही और मिलीभगत की ओर इशारा करता है, जो जांच का एक बेहद गंभीर विषय है।

प्रबंधन को खुला चैलेंज, उच्चाधिकारियों की चुप्पी संदिग्ध

विवाद के दौरान एक यूनिथन नेता द्वारा सरेआम चिल्ला-चिल्लाकर प्रबंधन को चुनौती दी गई कि मैं नशीले पदार्थ और दारू बाँटूंगा जिसे जो करना है कर ले।

सार्वजनिक रूप से प्रबंधन को इस प्रकार खुला चैलेंज दिए जाने और औद्योगिक परिसर की मर्यादा तार-तार होने के बावजूद एसईसीएल का उच्च प्रबंधन पूरी तरह खामोश बैठा हुआ है घटना के इतने दिन बीत जाने के बाद भी ना तो शराब बांटने वाले असामाजिक तत्वों पर कोई अनुशासनात्मक कार्रवाई की गई और ना ही मौके पर मौजूद जिम्मेदार अधिकारी के खिलाफ कोई जांच बिठाई गई।

उच्चस्तरीय निष्पक्ष जांच



सीआईएसएफ बैरियर के भीतर नशीली सामग्रियां पहुँचने के मामले की तत्काल उच्चस्तरीय जांच कराई जाए और दोषी सुरक्षा कर्मियों पर कार्रवाई हो।

जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्यवाही हो घटना स्थल पर मूकदर्शक बने रहे वरिष्ठ मानव संसाधन प्रबंधक एवं संबंधित अधिकारियों की भूमिका की जांच कर अनुशासनात्मक कदम उठाए जाएं।

माहौल खराब करने वालों पर सख्त कार्रवाई हो

अनुशासनहीनता फैलाने और शराब बांटकर औद्योगिक शांति भंग करने वाले नेताओं/संगठनों पर नियमानुसार दंडात्मक कार्रवाई की जाए।

यदि एसईसीएल प्रबंधन इस गंभीर मामले पर तत्काल कठोर कदम नहीं उठाता है तो यह स्पष्ट हो जाएगा कि खदान क्षेत्र में इस प्रकार की अवैध गतिविधियों को प्रबंधन का मौन संरक्षण प्राप्त है।

सेवा संकल्प अभियान के तहत निकला शिक्षा रथ: शिक्षा सामाग्री एवं नकद राशि का दान



कोरबा/करतला (दिव्य आकाश)।

विकासखंड करतला के जोन रामपुर में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत ‘सेवा – मेरा योगदान’ कार्यक्रम के तहत शिक्षा रथ निकाला गया। जोन प्रभारी लतीफ खान अंसारी के नेतृत्व में निकला यह शिक्षा रथ पूरे रामपुर क्षेत्र की बस्ती में भ्रमण कर लोगों को जरूरतमंद एवं वंचित छात्र-छात्राओं की शिक्षा में सहयोग के लिए प्रेरित करता रहा।

शिक्षा विभाग की इस पहल का उद्देश्य ऐसे बच्चों तक शैक्षणिक सामग्री पहुंचाना है, जो आर्थिक अथवा अन्य कारणों से आवश्यक शिक्षण सामग्री से वंचित रह जाते हैं।

शिक्षा रथ के गांव में पहुंचने पर ग्रामीणों में खासा उत्साह देखने को मिला। ग्रामवासियों ने स्वेच्छा से आगे आकर अभियान में अपना अमूल्य योगदान दिया।

आज दिनांक तक प्राप्त कुल सहयोग:

काँपी 497, पेन 818, पेंसिल 173, स्कूली बैग 2, रबर 14, कटर 30, स्केच पेन 16 पैकेट, कंपास बॉक्स 6, बेल्ट 3, पेंसिल बैग 2, पानी बोतल 2, पहाड़ा बुक 30, कलर पेंसिल 8 पैकेट सहित कुल 1622 शैक्षणिक सामग्री एवं 7320 रुपये नगद राशि प्राप्त हुई।

इस अवसर पर जोन प्रभारी लतीफ खान अंसारी ने कहा कि ‘शिक्षा केवल व्यक्ति के विकास का माध्यम नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र के निर्माण की आधारशिला है। समाज के सक्षम लोगों द्वारा जरूरतमंद बच्चों की शिक्षा में सहयोग करना एक महत्वपूर्ण सामाजिक दायित्व है।’ उन्होंने ग्रामीणों द्वारा दिए गए उत्साहपूर्ण सहयोग के लिए आधार व्यक्त किया। प्राप्त समस्त सामग्री व राशि जरूरतमंद व वंचित छात्र-छात्राओं तक पहुंचाकर उनके अध्ययन में सहायता प्रदान की जाएगी



संकल्प के साथ प्रत्येक नागरिक अपनी क्षमता के अनुरूप जनहित में सहभागी बने और सेवा संकल्प अभियान को जनभागीदारी की व्यापक भावना से मजबूत करे।



कटघोरा का राजा:विघ्नहर्ता की दिव्यता और भव्यता देखने पहुंच रहा श्रद्धा का सैलाब

कोरबा/कटघोरा (दिव्य आकाश)। लोगों की भक्ति और श्रद्धा का कोई सानी नहीं। जिले में विघ्नहर्ता के पंडालों को अलग-अलग रूप देकर भक्तों को आकर्षित करने विभिन्न उपाय किए गए हैं। जिले में नया बस स्टैंड कटघोरा के पास अस्पताल चौक में कटघोरा का राजा स्थापित हुए हैं। हर वर्ष यहां जन सहयोग से विघ्नहर्ता की विशाल मूर्ति स्थापित की जाती है और हर वर्ष यहां की दिव्यता और भव्यता देखने लायक होती है। इस वर्ष भी

कटघोरा के राजा का जलवा देखते ही बन रहा है। विशाल और भव्य मंदिर का रूप दे कर पंडाल को सजाया गया है और अंदर श्रीगणेश की विशाल प्रतिमा इतनी सुंदर और आकर्षक लग रही है, जिसे निहारने रोज हजारों श्रद्धालु यहां पहुंच रहे हैं। शाम होते ही यहां श्रद्धा का सैलाब देखने को मिलता है। पंडाल को सजाने के साथ नगर की सड़कों में लाइटिंग से त्रिशुलाकार से सड़क का सौंदर्य भी बढ़ गया है।



कोरबा से प्रकाशित एवं मुद्रित प्रथम बहुरंगी सामाहिक अखबार

कोरबा, शुक्रवार, दिनांक 18 सितम्बर से 01 अक्टूबर 2026

केके श्रीवास्तव की 3 करोड़ की संपत्ति होगी अटैच

रायपुर, एजेंसी।

प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में केके श्रीवास्तव की करीब 3 करोड़ रुपए की संपत्ति कुर्क करने का आदेश जारी किया है। केके छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के करीबी बताए जाते हैं। आरोप है कि केके पूर्व सीएम के लिए तांत्रिक पूजा करवाते थे। ईडी ने यह कार्रवाई रायपुर के तेलीबांधा थाने में दर्ज एफआईआर और छत्तीसगढ़ पुलिस की ओर से दाखिल चार्जशीट के आधार पर की है। केके पर मामले में धोखाधड़ी, जालसाजी, आपराधिक धमकी और आपराधिक साजिश के आरोप हैं। 22 सितंबर को केके की चल-अचल संपत्तियों को अनंतिम रूप से कुर्क करने का आदेश जारी किया गया। इसके बाद 23 सितंबर को रायपुर की विशेष PMLA कोर्ट में उनके खिलाफ अभियोजन शिकायत (PC) दाखिल की गई। दो महीने पहले ED ने जांच के लिए केके श्रीवास्तव को रिमांड पर लिया था। ED की जांच में सामने आया है कि उगी की रकम शेल कंपनियों के जरिए दुबई, हांगकांग और चीन में मौजूद लाभार्थियों तक भेजी गई।

महादेव सट्टा का वांटेड आरोपी हैदराबाद एयरपोर्ट से पकड़ाया

रायपुर, एजेंसी।महादेव सट्टा केस में CBI ने बड़ी कार्रवाई करते हुए वांटेड आरोपी अभिषेक कुमार को गिरफ्तार किया है। वह दुबई से भारत लौटा था। हैदराबाद के राजीव गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर पहुंचते ही CBI ने उसे अरेस्ट कर लिया। गिरफ्तारी के बाद अभिषेक को हैदराबाद की स्थानीय अदालत में पेश किया गया। CBI को कोर्ट से उसकी 3 दिन की ट्रांजिट रिमांड मिली। इसके बाद आरोपी को रायपुर लाकर कोर्ट में पेश

किया गया, जहां से उसे 2 दिन की पुलिस रिमांड पर लिया गया है। जांच एजेंसी के मुताबिक, अभिषेक महादेव बुक के जरिए ऑनलाइन सट्टा और जुआ चलाने, पैनल के बीच तालमेल और सट्टे से जुटाई गई रकम के कलेक्शन में सक्रिय था। CBI का दावा है कि सट्टे से कमाए गए पैसें से अभिषेक ने दुबई में अचल संपत्तियां भी खरीदी थीं। गिरफ्तारी के बाद तलाशी में उसके कब्जे से कुछ महत्वपूर्ण सामग्री भी जब्त की गई है।

नितेश कुमार मेमोरियल लायंस पब्लिक स्कूल में सीबीएसई का दो दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम संपन्न

प्रशिक्षक सौरभ कुमार जैन एवं कल्पना सिंह ने शिक्षकों को सिखाए प्रभावी कक्षा प्रबंधन के गुर



कोरबा/मड़वारांनी (दिव्य आकाश) ।

कोरबा-चाम्पा मार्ग पर मड़वारांनी के पास खरहरकुड़ा स्थित नितेश कुमार मेमोरियल लायंस पब्लिक स्कूल में केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई), भुवनेश्वर के उत्कृष्टता केंद्र द्वारा आयोजित दो दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। दो दिवसीय आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यशाला का मुख्य विषय प्रभावी कक्षा प्रबंधन (Classroom Management) रहा, जिसमें क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों के शिक्षकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम में सैनिक स्कूल अंबिकापुर के संस्कृत शिक्षक सौरभ कुमार जैन एवं



डीपीएस की प्राचार्या श्रीमती कल्पना सिंह ने मुख्य स्रोत व्यक्ति (Resource Persons) के रूप में अपनी उपस्थिति दी और यहां उपस्थित अध्यापकों को कक्षा प्रबंधन के गुर सिखाए। दोनों विशेषज्ञों ने अपने व्यावहारिक अनुभवों और गतिविधियों के माध्यम से शिक्षकों को आधुनिक शिक्षण और कक्षा प्रबंधन की बारीकियों से अवगत कराया।



सौरभ कुमार जैन ने विभिन्न गतिविधियों और व्यावहारिक उदाहरणों के जरिए बताया कि कक्षा प्रबंधन केवल अनुशासन बनाए रखने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए एक अनुकूल और सकारात्मक वातावरण तैयार करने की सतत प्रक्रिया है। उन्होंने शिक्षकों को विद्यार्थियों की व्यक्तिगत आवश्यकताओं को समझते हुए विद्यार्थी-केंद्रित शिक्षण पद्धतियों, समय प्रबंधन और संसाधनों के सही उपयोग के गुर सिखाए। वहीं श्रीमती कल्पना सिंह ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कक्षा में सकारात्मक वातावरण निर्मित करने, विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी बढ़ाने और शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाने के

व्यावहारिक उपाय साझा किए। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के चेयरमैन पीएमजेएफ लायन डॉ. राजकुमार अग्रवाल तथा प्राचार्या शोमा सोनी विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने अपने विचार व्यक्त करते हुए इस तरह के आयोजनों को शिक्षकों के पेशेवर विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बताया और आए हुए स्रोत व्यक्तियों व प्रतिभागी शिक्षकों का मार्गदर्शन व उत्साहवर्धन किया। प्रशिक्षण के दौरान शिक्षकों ने विभिन्न interactive गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया और कक्षा प्रबंधन से जुड़े व्यावहारिक अनुभव प्राप्त किए। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय प्रबंधन द्वारा सभी का आभार व्यक्त किया गया।

राहुल गांधी बोले- छत्तीसगढ़ चुनाव में भी हुई वोट चोरी

हमारे टेक्निकल एक्सपर्ट ने चुनाव आयोग की गलती पकड़ी, सरकार ने उन्हें कानून से ऊपर रखा

रायपुर/दिल्ली, एजेंसी।



वोट चोरी के जरिए किसी को चुनाव में जीत मिलती है और उन्हीं वोटों से चुने गए सांसद कानून बनाते हैं तो यह मामला सिर्फ वोट चोरी तक सीमित नहीं रहता। उन्हीं इसे ‘वोट चोरी, कानून चोरी और संस्था चोरी’ से जोड़ा। **छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव में BJP की 54 सीटों पर जीत** छत्तीसगढ़ के 2023 विधानसभा चुनाव में 90 सीटों के नतीजों ने सत्ता परिवर्तन किया। BJP ने 54 सीटें जीतकर सरकार बनाई, जबकि कांग्रेस 35 सीटों पर सिमट गई। गोंडवाना गणतंत्र पार्टी (GGP) को एक सीट मिली। BJP को करीब 46.27% वोट मिले, जबकि कांग्रेस का वोट शेयर करीब 42.23% रहा। दोनों प्रमुख दलों के बीच वोट शेयर का अंतर करीब 4 प्रतिशत रहा, लेकिन सीटों में बड़ा अंतर

छत्तीसगढ़ समेत कई राज्यों का जिक्र

राहुल गांधी ने अपने आरोपों के दौरान छत्तीसगढ़ के साथ हरियाणा, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और गुजरात का भी जिक्र किया। उन्होंने सवाल उठाया कि इन राज्यों में सत्ता विरोधी रुझान अचानक कैसे खत्म हो गया। राहुल ने दावा किया कि 2024 के लोकसभा चुनाव और इसके बाद हुए विधानसभा चुनावों में चुनावी प्रक्रिया को प्रभावित किया गया। हालांकि, ये सभी दावे राहुल गांधी और कांग्रेस की ओर से लगाए गए आरोप हैं।

देखने को मिला। चुनाव में कई सीटों पर मुकाबला बेहद करीबी रहा। यही वजह है कि कुल वोट शेयर और सीटों के परिणाम के बीच अंतर चुनाव विश्लेषण का प्रमुख विषय रहा। **ईवीएम पर कांग्रेस ने उठाए थे सवाल** साल 2023 में नतीजा सामने आने के बाद छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा था कि जनता ने जो जनादेश दिया है, वो स्वीकार है। समीक्षा होगी तब कारणों का पता चलेगा। वहीं ईवीएम मशीनों पर उठ रहे सवाल पर कहा कि जैसे ही इसके बारे में बोलो भाजपा को जोर से मिर्ची लगती है। इतना जोर से क्यों लगता है। इसका कुछ न कुछ तो कारण होगा। राहुल ने अमित शाह का वह वीडियो दिखाया, जिसमें उन्होंने भाजपा की 14 से 30 साल तक सरकार रहने की बात कही थी। **SIR और वोटर लिस्ट पर भी सवाल** राहुल ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) को लेकर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि विपक्ष इस मुद्दे पर एकजुट है और सभी विपक्षी दल मिलकर इसके खिलाफ काम करेंगे। उन्होंने जेन-जी के युवाओं के लिए वोटर लिस्ट में नाम जुड़वाने में परेशानी होने का भी दावा किया। राहुल ने कहा कि पहले चुनावी व्यवस्था को दुरुस्त किया जाना चाहिए और इसके बाद पूरे मामले की जांच होनी चाहिए।

छत्तीसगढ़ में बिजली गिरने से 5 मौतें

भारी बारिश का अलर्ट, बस्तर में स्कूलों की छुट्टी, जगदलपुर-हैदराबाद फ्लाइट रद्द, 60 किमी रफ्तार से चलेगी आंधी

रायपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ में बारिश का दौर जारी रहेगा। बंगाल की खाड़ी में बने सिस्टम की वजह से प्रदेश के ज्यादातर हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश का अनुमान है। एक-दो जगह भारी बारिश के साथ गरज-चमक और बिजली गिरने की भी आशंका है। रायपुर समेत 15 जिलों में 40 से 60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से आंधी चलने का अलर्ट है। वहीं बुधवार को प्रदेश में बिजली गिरने की घटनाओं में 5 लोगों की मौत हो गई। बालोद में खेत में काम कर रही महिला की

मौत हुई, जबकि दो महिलाएं घायल हो गई। धमतरी के नगरी इलाके में देर रात गरज-चमक के बीच सड़क पर मौजूद चार लोगों पर अचानक बिजली गिर गई। इस हादसे में एक युवक ने अस्पताल पहुंचने से पहले दम तोड़ दिया, वहीं तीनों घायलों का इलाज जारी है। कांकेर में खेत में पेड़ के नीचे बैठे किसान की जान चली गई। वहीं बेमेतरा में तालाब के पास पेड़ के नीचे खड़े दो मजदूरों की बिजली गिरने से मौत हो गई।

अगले-हफ्ते 5 दिन बंद रहेंगे बैंक:27 सितंबर तक निपटा लें काम, 28 से 30 सितंबर तक हड़ताल, फिर गांधी जयंती और वीकेंड की छुट्टी

रायपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ में अगले हफ्ते बैंकिंग सेवाओं पर असर पड़ने वाला है। 28 से 30 सितंबर तक देशभर में बैंक कर्मचारियों की हड़ताल के कारण तीन दिन बैंक शाखाओं में कामकाज प्रभावित रहेगा। इसके बाद 1 अक्टूबर से बैंकिंग कामकाज शुरू होगा। लेकिन 2 अक्टूबर को गांधी जयंती की छुट्टी और फिर शनिवार-रविवार का वीकेंड होने से बैंकिंग कामकाज पर लगातार असर पड़ेगा। ऐसे में ग्राहकों के लिए जरूरी है कि वे अपना बैंकिंग काम 27 सितंबर तक निपटा लें।

बैठक में नहीं निकला कोई समाधान

यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस ने 28 से 30 सितंबर तक तीन दिन की देशव्यापी हड़ताल का ऐलान किया है। हड़ताल का असर सरकारी बैंकों के साथ ग्रामीण और सहकारी बैंकों के कामकाज पर भी पड़ेगा। बैंकिंग संगठनों के मुताबिक, केंद्र स्तर पर मुख्य श्रम आयुक्त के साथ हुई बैठक में भी कोई समाधान नहीं निकल सका है। ऐसे में तय तारीखों पर हड़ताल जारी रहने की संभावना है।



एल्यूमिनियम निर्माण के अगले अध्याय को आकार देते बालको के इंजीनियर

बालकोनगर (दिव्य आकाश)।

हर बड़े बदलाव की शुरुआत एक छोटे से सवाल से होती है, क्या इसे और बेहतर किया जा सकता है ? और इस सवाल का जवाब तलाशते हैं वे इंजीनियर, जो हर दिन बालको के संयंत्र में प्रक्रियाओं, तकनीक और आंकड़ों के बीच नए समाधान खोज रहे हैं। एल्यूमिनियम निर्माण सिर्फ धातु को आकार देने की प्रक्रिया नहीं है। यह कई चरणों, तकनीकों और विशेषज्ञताओं से जुड़ी एक ऐसी यात्रा है, जहाँ एक छोटे से सुधार का असर पूरी प्रक्रिया पर दिखाई दे सकता है। सुरक्षा को बेहतर बनाना हो, गुणवत्ता में निरंतरता लानी हो, संसाधनों का बेहतर उपयोग करना हो या तकनीक की मदद से निर्णय लेने के नए तरीके तलाशने हों, बालको के इंजीनियर हर स्तर पर इस बदलाव का हिस्सा हैं।

बालको जब 1 मिलियन टन प्रतिवर्ष (एमटीपीए) एल्यूमिनियम उत्पादन की दिशा में आगे बढ़ रहा है, तब यह यात्रा केवल क्षमता बढ़ाने की नहीं, बल्कि प्रक्रियाओं को और मजबूत, स्मार्ट और टिकाऊ बनाने की भी है। इस यात्रा में इंजीनियर अपने तकनीकी ज्ञान, अनुभव और समस्या समाधान की सोच के साथ महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। बालको की 525 किलोएम्पियर पॉटलाइन जैसे उच्च क्षमता वाले संयंत्र में काम करना अपने आप में एक बड़ी जिम्मेदारी है। यहाँ हर प्रक्रिया का अपना महत्व है और हर निर्णय उत्पादन की निरंतरता से जुड़ा होता है।

पॉटलाइन संचालन से जुड़ी प्रियंका साहू कहती हैं, ‘मैं उन युवा इंजीनियर्स में से एक हूँ, जिन्हें बालको की 525 किलोएम्पियर पॉटलाइन जैसी भारत की इंजीनियरिंग उपलब्धियों में से एक के साथ काम करने का अवसर मिल रहा है। यहाँ प्रक्रियाएँ जितनी बड़ी हैं, सीखने और नवाचार के अवसर भी उतने ही बड़े हैं। किसी छोटे से बदलाव का भी उत्पादन पर बड़ा प्रभाव पड़ सकता है और हम हर दिन ऐसे छोटे-छोटे सुधारों को आगे बढ़ाने का प्रयास करते हैं।

बालको की डिजिटल टीम से जुड़े नवप्रीत सिंह घई बताते हैं, ‘एक संयंत्र में प्रक्रियाओं के माध्यम से बड़ी मात्रा में जानकारी तैयार होती है। हमारी भूमिका इस जानकारी को उन लोगों के

लिए उपयोगी बनाना है, जो इन प्रक्रियाओं का संचालन करते हैं। एआई और डेटा आधारित तकनीकों की मदद से हम पैटर्न पहचान सकते हैं, संचालन में होने वाले बदलावों को समझ सकते हैं और अधिक स्पष्टता के साथ निर्णय ले सकते हैं। इससे हमें प्रक्रियाओं को एक अलग दृष्टिकोण से देखने में मदद मिलती है और कई बार हम किसी छोटे बदलाव के बड़ी चुनौती बनने से पहले ही उस पर कार्रवाई कर पाते हैं।

एल्यूमिनियम निर्माण में निरंतरता का सीधा संबंध उत्पाद की गुणवत्ता से है। प्रक्रिया एवं गुणवत्ता नियंत्रण टीम से जुड़े अज्जान शरीफ कहते हैं, ‘जब आप किसी प्रक्रिया के साथ रोज काम करते हैं, तो उसमें होने वाले छोटे-छोटे बदलावों को पहचानना शुरू कर देते हैं। हम आंकड़ों का अध्ययन करते हैं, उन्हें कार्यस्थल पर दिखाई देने वाली स्थिति से मिलाते हैं और यह समझने का प्रयास करते हैं कि बदलाव क्यों आया। कई बार किसी समस्या का समाधान प्रक्रिया के सही बिंदु पर किए गए एक छोटे से सुधार में ही छिपा होता है। समय के साथ ऐसे छोटे-छोटे सुधार मिलकर पूरी प्रक्रिया के प्रदर्शन को बेहतर बनाते हैं।

कास्टहाउस में भी इंजीनियरों की भूमिका केवल पिघले हुए एल्यूमिनियम को तैयार उत्पादों में बदलने तक सीमित नहीं है। कास्टहाउस से जुड़ी आशिका सिंह कहती हैं, ‘हम केवल पिघले हुए एल्यूमिनियम को तैयार उत्पादों में नहीं बदलते, बल्कि संसाधनों की दक्षता और प्रक्रियाओं की टिकाऊ क्षमता को बेहतर बनाने पर भी काम करते हैं। चाहे बात ऊर्जा की हो, सामग्री के बेहतर उपयोग की हो या प्रक्रिया की दक्षता की, हर सुधार अधिक मूल्य सृजित करने के साथ हमारे पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने में योगदान देता है।

कंपनी की पूरी एल्यूमिनियम मूल्य श्रृंखला में बालको एवं बिजनेस पार्टनर के लगभग 3000 इंजीनियर कर्मचारी अपने तकनीकी ज्ञान, डिजिटल क्षमताओं और समस्या समाधान की सोच को साथ लेकर सुरक्षा, गुणवत्ता, उत्पादकता और टिकाऊ विकास को मजबूत कर रहे हैं। इंजीनियर्स डे पर हम इन इंजीनियरों की उस महत्वपूर्ण भूमिका का सम्मान करते हैं, जो आज के विनिर्माण को बेहतर बनाने के साथ-साथ बालको को भविष्य की आवश्यकताओं और बड़े पैमाने पर उत्पादन के लिए तैयार कर रही है।

भगवान विश्वकर्मा की आराधना हमें सृजन के साथ सुरक्षा और जिम्मेदारी को प्राथमिकता देने की प्रेरणा देती है-सीईओ सिंह



बालकोनगर (दिव्य आकाश) ।

वेदांता एल्यूमिनियम मेटल लिमिटेड की कंपनी भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) में भगवान विश्वकर्मा की जयंती श्रद्धा, उत्साह और उल्लास के साथ मनाई गई। इस अवसर पर संयंत्र की विभिन्न इकाइयों और कार्यालयों में पूजा-अर्चना कर कंपनी की निरंतर प्रगति, कर्मचारियों की सुरक्षा और समृद्धि की कामना की गई।

सुबह से ही संयंत्र परिसर में उत्सव का माहौल रहा। विभिन्न इकाइयों में भगवान विश्वकर्मा की प्रतिमा स्थापित कर आकर्षक सजावट की गई। कंपनी के सीईओ एवं वरिष्ठ अधिकारियों, कर्मचारियों और ठेका कामगारों ने एकजुट होकर पूजा-अर्चना में भाग लिया। धार्मिक अनुष्ठानों के पश्चात उपस्थितजनों को प्रसाद वितरित किया गया।

भगवान विश्वकर्मा को सृजन, शिल्पकला और निर्माण का देवता माना जाता है। उनकी आराधना बालको की उस कार्यसंस्कृति को

भी अभिव्यक्त करती है, जिसमें सुरक्षा, नवाचार, जिम्मेदारी और निरंतर प्रगति को विशेष महत्व दिया जाता है। यह अवसर प्रत्येक कर्मचारी को सुरक्षित कार्यप्रणाली अपनाने और सामूहिक प्रयासों से बेहतर भविष्य के निर्माण की प्रेरणा देता है।

बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं पूर्णकालिक निदेशक राजेश सिंह ने कहा, ‘भगवान विश्वकर्मा की आराधना हमें सृजन के साथ सुरक्षा और जिम्मेदारी को प्राथमिकता देने की प्रेरणा देती है। बालको में प्रत्येक कर्मचारी का योगदान हमारी सामूहिक प्रगति का आधार है। सुरक्षित कार्यसंस्कृति, नवाचार और टीम भावना के साथ हम औद्योगिक विकास के नए आयाम स्थापित



करने तथा आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में अपना योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। ‘

बालको में विश्वकर्मा जयंती का आयोजन औद्योगिक परंपरा और आधुनिक कार्यसंस्कृति के सुंदर संगम का प्रतीक है। यह पर्व कर्मचारियों के बीच एकजुटता को मजबूत करने के साथ सुरक्षित, जिम्मेदार और सतत विकास की दिशा में आगे बढ़ने के संकल्प को दोहराने का अवसर भी है।

SBI ने बदले ATM नियम, कैश निकालने पर लगेगा चार्ज, फ्री ट्रांजैक्शन लिमिट भी घटी

नई दिल्ली, एजेंसी ।

अगर आपका खाता भारतीय स्टेट बैंक में है, तो यह खबर सीधे आपकी जेब पर असर डाल सकती है। बैंक ने एटीएम और कैश निकासी के नियमों में बदलाव किए हैं जो 1 अक्टूबर 2026 से लागू होंगे। नए नियमों का असर सैलरी पैकेज अकाउंट और बेसिक सेविंग्स बैंक डिपॉजिट (BSBD) अकाउंट वाले ग्राहकों पर पड़ेगा।

Salary Account वालों के लिए बदली फ्री लिमिट

SBI के सैलरी अकाउंट होल्डर्स को दूसरे बैंकों के ATM और ADWM से हर महीने मिलने वाली फ्री ट्रांजैक्शन सुविधा में बदलाव किया गया है। 1 अक्टूबर से दूसरे बैंक के

ATM पर फ्री ट्रांजैक्शन की संख्या 10 से घटकर 5 प्रति माह हो जाएगी। इसमें कैश निकासी जैसे वित्तीय और बैलेंस चेक या मिनी स्टेटमेंट जैसे गैर-वित्तीय ट्रांजैक्शन शामिल हैं।

फ्री लिमिट खत्म होने के बाद लागू शुल्क इस प्रकार होगा:

कैश निकासी: ₹.23 + GST प्रति ट्रांजैक्शन

नॉन-फाइनेंशियल ट्रांजैक्शन: ₹.11 + GST प्रति ट्रांजैक्शन

हालांकि, SBI के अपने ATM के इस्तेमाल या सामान्य सेविंग्स अकाउंट पर इन बदलावों का असर नहीं बताया गया है।

BSBD अकाउंट में 4 कैश निकासी फ्री

बेसिक सेविंग्स बैंक डिपॉजिट (BSBD) खातों के लिए कैश विड्रॉल के नियमों में बदलाव किया गया है।

महीने में शुरुआती 4 कैश विड्रॉल बिल्कुल फ्री रहेंगे, चाहे आप SBI ATM, दूसरे बैंक ATM, ब्रांच या EPS से पैसे निकालें। 4 फ्री चांस खत्म होने के बाद 5वाँ बार से हर बार पैसे निकालने पर 15 रुपए + GST का चार्ज देना होगा।

BSBD अकाउंट की खास शर्तें....

BSBD अकाउंट को मुख्य रूप से उन ग्राहकों के लिए बनाया गया है, जिन्हें सामान्य बैंकिंग सुविधाएं कम लागत पर चाहिए। इसमें: न्यूनतम बैलेंस रखने की बाध्यता नहीं होती। ग्राहक के पास SBI में दूसरा सेविंग्स अकाउंट नहीं होना चाहिए। पात्र ग्राहकों को RuPay डेबिट कार्ड की सुविधा मिलती है। खाते पर सामान्यतः सालाना मंटेनेंस चार्ज नहीं होता।

UPI लेनदेन के 10% पर ही ग्राहकों से शुल्क लिए जाने का जोखिम: NPCI

मुंबई, एजेंसी ।

यूपीआई लेनदेन के कुल मूल्य में से केवल करीब 10 प्रतिशत हिस्से पर ही प्रस्तावित ‘मचैट डिस्काउंट रेट’ (MDR) शुल्क का बोझ उपभोक्ताओं पर पड़ने की आशंका है। भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (NPCI) के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) दिलीप असबे ने बृहस्पतिवार को यह बात कही।

असबे ने ‘13वें एसबीआई बैंकिंग एवं अर्थशास्त्र सम्मेलन 2026’ में कहा कि एमडीआर से मिलने वाली राशि का करीब 80 प्रतिशत हिस्सा सालाना 1,000 करोड़ रुपए से अधिक कारोबार करने वाले बड़े कारोबारियों से आएगा, जो पहले से ही क्रेडिट कार्ड स्वीकार करते हैं और काफी अधिक शुल्क का

भुगतान करते हैं।

यूपीआई प्रणाली का संचालन करने वाली एनपीसीआई के प्रमुख ने एमडीआर के संभावित असर पर कहा, ‘उपभोक्ताओं से शुल्क लिए जाने का वास्तविक जोखिम कुल मूल्य का करीब 10 प्रतिशत है।’ उन्होंने कहा कि यूपीआई लेनदेन की संख्या का करीब 96 प्रतिशत और कुल मूल्य का 75 प्रतिशत फिलहाल शुल्क के दायरे में आने की संभावना नहीं है। सरकार ने पिछले सप्ताह 2,000 रुपए से अधिक राशि के यूपीआई भुगतान पर कारोबारियों से 0.4 प्रतिशत एमडीआर शुल्क लेने की घोषणा की थी। यह शुल्क अधिकतम 300 रुपए तक होगा और 15 अक्टूबर से प्रभावी हो जाएगा।

असबे ने कहा कि यूपीआई पारिस्थितिकी में करीब छह करोड़ सक्रिय व्यापारी हैं और इनमें करीब

75 प्रतिशत क्यूआर-कोड व्यापारियों को अबतक 2,000 रुपए से अधिक का एक भी लेनदेन नहीं मिला है। उन्होंने कहा कि ऐसे कारोबारियों पर एमडीआर व्यवस्था का कोई असर नहीं होगा। उन्होंने कहा कि एक करोड़ रुपए या उससे अधिक सालाना कारोबार वाले कारोबारियों से लिए जाने वाले एमडीआर का करीब 10 प्रतिशत हिस्सा उपभोक्ताओं पर डाला जा सकता है। हालांकि, ऐसे कारोबारी पहले से ही क्रेडिट कार्ड शुल्क को अपने मूल्य निर्धारण में शामिल करते हैं और आम तौर पर यूपीआई भुगतान पर छूट नहीं देते हैं। ऐसे में उनसे यह शुल्क उपभोक्ताओं पर डालने की उम्मीद कम है।

असबे ने कहा कि बाकी हिस्से में उपभोक्ताओं पर शुल्क डाले जाने की संभावना है और बैंकों,

एनपीसीआई तथा भुगतान सेवा प्रदाताओं को यह सुनिश्चित करने के लिए काम करना होगा कि शुल्क का बोझ उपभोक्ताओं पर न पड़े। उन्होंने बताया कि एमडीआर से मिलने वाली राशि का पांच प्रतिशत युवा उद्यमियों और मदद की जरूरत वाले क्षेत्रों के लिए बनाए जाने वाले कोष में डालने का प्रस्ताव है।

एनपीसीआई इस कोष को तैयार करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक और अन्य संबंधित पक्षों के साथ काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि यह कोष तीन साल में करीब 3,000 करोड़ रुपए तक पहुंच सकता है। इसका इस्तेमाल छोटे कारोबारियों के बीच यूपीआई स्वीकार्यता बढ़ाने के लिए किया जाएगा। इसके तहत सेंडबॉक्स और अन्य भुगतान बुनियादी ढांचे की अधिक तैनाती को बढ़ावा दिया जाएगा।

LIC है तो कहीं और क्यों जाएं...?

एलआईसी कराएं... परिवार में सुख-समृद्धि पाएं



भारतीय जीवन बीमा निगम
LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA



आज ही बीमा कराएं
अपने और अपने परिवार
के भविष्य को सुरक्षित
एवं बेहतर बनाएं

नई योजनाओं की जानकारी आज ही लें।

सालिक राजवाड़े (बीमा अभिकर्ता)

कार्पोरेट ऑफिस - वेदांत बीमा सेवा केंद्र

प्रेस क्लब के सामने, रिकाण्डो रोड टी.पी. नगर कोरबा

मो.नं.-90987-52955, 99262-57886

औंधे मुंह गिरा शेयर बाजार, सेंसेक्स 1,247 अंक लुढ़क कर 73,580 पर बंद

मुंबई, एजेंसी ।

गुरुवार को शेयर बाजार में जबरदस्त गिरावट देखने को मिली। सेंसेक्स 1,247.71 अंक या 1.67 फीसदी की गिरावट के साथ 73,580.54 पर आ गया। वहीं निफ्टी 383.70 अंक यानी 1.64 फीसदी गिरकर 23,063.10 के स्तर पर बंद हुआ। फार्मा को छोड़कर ज्यादातर सेक्टरल इंडेक्स लाल निशान में रहे। बैंकिंग और फाइनेंशियल सर्विसेज शेयरों में सबसे ज्यादा दबाव देखने को मिला।

बाजार में गिरावट के मुख्य कारण.....

बॉन्ड यील्ड में तेज उछाल

अमेरिका में 10-साल के ट्रेजरी बॉन्ड की यील्ड 2007 के बाद के

सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गई। ब्याज दरों के बढ़ने की संभावना के कारण ऐसा हुआ है। यह यील्ड 13.89 बेसिस पॉइंट बढ़कर 5.106% हो गई, जो 2007 के बाद सबसे ज्यादा है और अप्रैल 2025 के बाद एक दिन में सबसे बड़ी बढ़त थी। बॉन्ड यील्ड बढ़ने से डेट मार्केट ज्यादा आकर्षक हो जाते हैं। इससे अक्सर इक्विटी मार्केट में कुछ गिरावट आती है।

कच्चा तेल में उछाल

कच्चे तेल की कीमतों में मामूली नरमी के बावजूद ब्रेंट क्रूड 102 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर बना हुआ है। पिछले कारोबारी सत्र में ब्रेंट करीब 4 फीसदी उछला था। ईरान और अमेरिका के बीच युद्ध खत्म करने को लेकर मतभेद

बने रहने से तेल की कीमतों पर दबाव बना हुआ है।

भारत अपनी जरूरत का बड़ा हिस्सा कच्चा तेल आयात करता है। इसलिए तेल महंगा होने से आयात बिल, रुपए और महंगाई को लेकर चिंता बढ़ सकती है।

फेड के ब्याज दरें बढ़ाने की उम्मीदें

यूएस फेडरल रिजर्व के ब्याज दरों में बड़ी बढ़ोतरी की उम्मीदों के कारण शेयर बाजार में गिरावट और बढ़ गई। फेड फंड्स फ्यूचर्स ट्रेडर्स अब अक्टूबर में ब्याज दरें बढ़ने की 66% संभावना मान रहे हैं। अमेरिका में हाल में डीजल और पेट्रोल की कीमत में काफी तेजी आई है। महंगाई को रोकने के लिए फेड ब्याज दरों में इजाफा

कर सकता है।

बैंक और फाइनेंशियल शेयरों में भारी बिकवाली

बैंकिंग, फाइनेंशियल और इश्योरेंस शेयर बाजार पर सबसे बड़ा दबाव बना रहे हैं। इसकी एक वजह IRDAI की ओर से कमीशन नियमों में बदलाव का प्रस्ताव है। प्रस्ताव में कमीशन भुगतान पर सीमा लगाने, इसे प्रोडक्ट की जटिलता से जोड़ने और जीवन बीमा कंपनियों के कमीशन को पॉलिसी के पहले साल से आगे फैलाने जैसे बदलाव शामिल हैं।

HDFC Life, Bajaj Finance, Axis Bank और Bajaj Finserv निफ्टी 50 के प्रमुख गिरने वाले शेयरों में रहे। इनमें शुरुआती कारोबार में 8.5 फीसदी

तक की गिरावट दर्ज की गई।

रुपए में गिरावट

तेल की कीमतों और बॉन्ड यील्ड में भारी उछाल के बीच शुरुआती कारोबार में भारतीय रुपया अमेरिका डॉलर के मुकाबले 14 पैसे गिरकर 95.87 पर आ गया। LKP सिक्योरिटीज के कर्मोडिटी और करेंसी रिसर्च एनालिस्ट वाइस प्रेसिडेंट जतिन त्रिवेदी ने कहा, ‘रुपया 95.60-95.95 के दायरे में बना हुआ है और भारतीय बाजारों में FII की लगातार बिकवाली से सेंटीमेंट सतर्क बना हुआ है। आगे चलकर, US-ईरान घटनाक्रम, शी जिनपिंग की US यात्रा और UN बैठक के अपडेट करेंसी मार्केट में उतार-चढ़ाव बनाए रख सकते हैं।

अगली छमाही में रोजगार 5.4% बढ़ने का अनुमान, ई-कॉमर्स, प्रौद्योगिकी क्षेत्र रहेंगे आगे

मुंबई, एजेंसी । चालू वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में विभिन्न उद्योगों में कर्मचारियों की संख्या 5.4 प्रतिशत बढ़ने का अनुमान है। ई-कॉमर्स एवं प्रौद्योगिकी स्टार्टअप, यात्रा एवं आतिथ्य तथा खुदरा क्षेत्र में नियुक्तियों की मजबूत मांग से रोजगार वृद्धि को गति मिलने की उम्मीद है। भर्तों सेवा प्रदाता टीमलीज सर्विसेज की नवीनतम रोजगार परिदृश्य रिपोर्ट के मुताबिक, वित्त वर्ष 2026-27 की अक्टूबर-मार्च अवधि के लिए ‘शुद्ध रोजगार परिवर्तन’ (एनईसी) का अनुमान अप्रैल-सितंबर छमाही के 4.7 प्रतिशत से बढ़कर 5.4 प्रतिशत हो गया है। यह पिछली चार छमाहियों का सबसे ऊंचा स्तर है।

टीमलीज सर्विसेज के वरिष्ठ उपाध्यक्ष ए बालसुब्रमण्यन ने कहा, दूसरी छमाही में 5.4 प्रतिशत रोजगार वृद्धि का अनुमान अधिक लक्षित तरीके से कर्मचारियों की संख्या बढ़ाने की ओर बदलाव को दर्शाता है। कंपनियां बदलती मांग को ध्यान में रखते हुए नियुक्तियों के फैसले कर रही हैं। उन्होंने कहा कि इसके लिए नियोक्ताओं को प्रतिभाओं के दायरे का विस्तार करने, कौशल विकास में तेजी लाने और अधिक लचीले कार्यबल मॉडल अपनाने की जरूरत होगी। रिपोर्ट के निष्कर्ष जुलाई-अगस्त माह में 23 उद्योगों और 20 शहरों के 1,239 नियोक्ताओं से मिली प्रतिक्रिया पर आधारित हैं। रिपोर्ट कहती है कि ई-कॉमर्स एवं प्रौद्योगिकी स्टार्टअप क्षेत्र में शुद्ध रोजगार परिवर्तन 12.6 प्रतिशत रहने का अनुमान है। इसके बाद यात्रा एवं आतिथ्य क्षेत्र 12.3 प्रतिशत और खुदरा क्षेत्र 10.3 प्रतिशत के साथ हैं।

NSE बाजार मूल्यांकन के लिहाज से शीर्ष 10 कंपनियों में शामिल, शेयर 5% से अधिक चढ़ा

नई दिल्ली, एजेंसी ।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का शेयर बृहस्पतिवार को कारोबार के दौरान पांच प्रतिशत से अधिक चढ़ा। मामूली बढ़त के साथ शुरुआत करने के बाद एनएसई बाजार मूल्यांकन के लिहाज से शीर्ष 10 मूल्यवान कंपनियों में शामिल हो गया। बीएसई पर एनएसई के शेयर 1,800 रुपए पर सूचीबद्ध हुआ, जो 1,785 रुपए के निर्गम मूल्य से 0.84 प्रतिशत अधिक है।

कारोबार के दौरान शेयर 5.21 प्रतिशत बढ़कर 1,878 रुपए पर पहुंच गया। एनएसई का बाजार मूल्यांकन 4,54,966.88 करोड़ रुपए रहा। इसके साथ ही यह बीएसई पर बाजार मूल्यांकन के लिहाज से शीर्ष 10 मूल्यवान कंपनियों में शामिल हो गया। बीएसई के आंकड़ों के अनुसार, शीर्ष 10



कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार मूल्यांकन 16,67,750.07 करोड़ रुपए रहा। इसके बाद भारती एयरटेल 11,32,338.92 करोड़ रुपए, एचडीएफसी बैंक 11,26,035.78 करोड़ रुपए, आईसीआईसीआई बैंक 9,57,570.88 करोड़ रुपए, एसबीआई 9,12,415.14 करोड़ रुपए, टीसीएस 7,57,627.53 करोड़ रुपए, बजाज फाइनेंस 6,15,435.85 करोड़ रुपए, लार्सन एंड टुब्रो 5,32,457.60 करोड़ रुपए, एलआईसी 5,13,716.31 करोड़ रुपए और एनएसई 4,54,966.88 करोड़ रुपए के बाजार मूल्यांकन के साथ शामिल हैं।

एनएसई बाजार मूल्यांकन के लिहाज से

इस सूची में दसवें स्थान पर है। यह 4,54,845.62 करोड़ रुपए के बाजार पूंजीकरण वाली हिंदुस्तान यूनिलीवर और 4,46,985.57 करोड़ रुपए के बाजार पूंजीकरण वाली सन फार्मा से आगे है। एनएसई के प्रतिद्वंद्वी बीएसई का बाजार मूल्यांकन 1,31,946.42 करोड़ रुपए है। एनएसई के 22,569 करोड़ रुपए के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को सोमवार को बोली के अंतिम दिन करीब छह गुना अभिदान मिला था। इसमें संस्थागत खरीदारों की मजबूत मांग रही। यह आईपीओ 2024 में हुंदै मोटर इंडिया के 27,870 करोड़ रुपए के आईपीओ के बाद देश का दूसरा सबसे बड़ा सार्वजनिक निर्गम था। इसने 2022 में आए एलआईसी के 21,000 करोड़ रुपए के आईपीओ को पीछे छोड़ दिया।

दशहरा और दिवाली के दौरान चीनी की कीमतें नियंत्रण रखने के लिए सरकार प्रतिबद्ध: ISMA

नई दिल्ली, एजेंसी । इंडियन शुगर एंड बायो-एनर्जी मैनुफैक्चरर्स एसोसिएशन (ISMA) के महानिदेशक दीपक बल्लानी ने गुरुवार को कहा कि आगामी त्योहारी सीजन के दौरान उपभोक्ताओं को उचित कीमतों पर चीनी उपलब्ध कराने के लिए सरकार और चीनी उद्योग मिलकर काम कर रहे हैं।

बल्लानी ने कहा कि दशहरा और दिवाली जैसे प्रमुख त्योहारों के करीब आने के साथ चीनी की स्थिर आपूर्ति और किराफायती कीमतें सुनिश्चित करना प्राथमिकता बनी हुई है। उन्होंने कहा, सबसे पहले, सरकार और उद्योग दोनों उपभोक्ताओं को बहुत उचित दर पर चीनी उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध हैं, खासकर त्योहारों के दौरान बढ़ने वाली मांग और त्योहारी सीजन में। उन्होंने आगे कहा, दशहरा बहुत जल्द आने वाला है, उसके बाद दिवाली और कई अन्य त्योहार हैं। इसलिए हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि चीनी बहुत उचित कीमत पर उपलब्ध हो। जैसा कि मैंने कहा, खुदरा कीमतें पहले ही कम हो चुकी हैं। उनके अनुसार, घरेलू बाजार में चीनी की आपूर्ति पर्याप्त बनी हुई है और कीमतों को नियंत्रण में रखने के प्रयास किए जा रहे हैं।

बल्लानी ने कहा कि खुदरा चीनी की कीमतों में पहले ही नरमी शुरू हो गई है और आने वाले हफ्तों में इनमें और गिरावट आने की संभावना है। उन्होंने बताया कि एक्स-मिल कीमतों और खुदरा कीमतों में बदलाव के बीच आमतौर पर कुछ समय का अंतर होता है, क्योंकि थोक कीमतों में कमी का लाभ आपूर्ति श्रृंखला के जरिए उपभोक्ताओं तक पहुंचने में समय लगता है।

मे. सर्वमंगला इंटरप्राइजेस उद्घाटित: एसबीआई ब्रांड फ्लाई एश ब्रिक्स का उत्पादन प्रारंभ

गुणत्तायुक्त राखड़ ईंट निर्माण की ओर रुख किया उद्योगपति आशीष अग्रवाल ने, कहा-कनबेरी में राखड़ ईंट निर्माण का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र के लोगों को रोजगार देना

वरिष्ठ पत्रकार कमलेश यादव तथा नमन पाण्डेय के दिव्य मंत्रोच्चार से हुआ लोकार्पण, आदि शिल्पी भगवान विश्वकर्मा की जयंती पर परिसर हुआ भक्तिमय

क्षेत्र के सैकड़ों लोगों ने किया भोग-प्रसाद ग्रहण



कोरबा/कनबेरी (दिव्य आकाश)।

17 सितम्बर 2026 भगवान श्री विश्वकर्मा जयंती पर कनबेरी क्षेत्र के लोगों के लिए बड़ी सौगात दी गई। क्षेत्र के लोगों को रोजगार से जोड़ने की शुभ नियत से मे. सर्वमंगला इंटरप्राइजेस का लोकार्पण शुभ मुहूर्त में किया गया। कहा जाता है कि जब आसमान से बारिश होती है, तो इसे शुभ संकेत माना जाता है। दोपहर 12.00 बजे हल्की बारिश के बीच वरिष्ठ पत्रकार कमलेश यादव और माँ सर्वमंगला देवी मंदिर दुरपा कोरबा के प्रबंधक एवं राजपुरोहित द्विजोत्तम नमन पाण्डेय (नन्हा महाराज) के शुभ कदम परिसर में पड़े और वे सीधा सर्वमंगला एश ब्रिक्स प्लांट के पास पहुंचे

कर्ज और खेती के बोझ से परेशान किसान ने की आत्महत्या

कोरबा/उरगा (दिव्य आकाश)।

कोरबा जिले के उरगा थाना क्षेत्र के बागबुड़ा गांव में किसान ने कीटनाशक खाकर जान दे दी। मृतक की पहचान 55 साल के परदेसी राम कंवर के रूप में हुई है। परिजनों के मुताबिक, वह कर्ज और खेती का काम अकेले संभालने के कारण परेशान रहता था किसान के बेटे सुनील कुमार ने बताया कि परिवार में 3 बेटे और 1 बेटी हैं। परिवार के पास करीब 3 एकड़ जमीन है। खेती का पूरा काम परदेसी राम अकेले ही करते थे। बेटे घर पर रहते थे, लेकिन खेती के काम में हाथ नहीं बंटते थे। इस बात को लेकर वह अक्सर कहते थे कि खेती का सारा बोझ उन्हें अकेले उठाना पड़ता है।

30 हजार रुपए का था कर्ज

परिजनों के मुताबिक, परदेसी राम पर करीब 30 हजार रुपए का कर्ज भी था। कर्ज और अकेले खेती संभालने के दबाव के चलते वह परेशान रहने लगे थे। हालांकि, उन्होंने परिवार से इस बारे में ज्यादा बात नहीं की थी।

घर में कीटनाशक खाया, इलाज के दौरान मौत



सुनील ने बताया कि परदेसी राम ने कल घर में ही कीटनाशक खा लिया था। तबीयत बिगड़ने पर परिजन उन्हें तुरंत अस्पताल लेकर गए। यहां इलाज के दौरान उनकी

मौत हो गई।

पहले भी काम ज्यादा होने की बात कहते थे

सुनील के मुताबिक, परदेसी राम पहले भी कहते थे कि काम बहुत ज्यादा है और उनसे अकेले नहीं संभल रहा। परिवार ने उन्हें समझाया था कि सभी मिलकर खेती का काम संभाल लेंगे। इसके बावजूद वह लगातार चिंता में रहते थे।

कोरबा जिले में ‘विबा एगलेस मेयोनेज’ पर बैन

कोरबा (दिव्य आकाश)। खाद्य सुरक्षा एवं जनस्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए जिला कोरबा में ब्रांड ‘विबा’ के ‘एगलेस मेयोनेज’ के एक बैच के विक्रय एवं वितरण पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगाया गया है।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी, खाद्य एवं औषधि प्रशासन, जिला बस्तर (छत्तीसगढ़) द्वारा फर्म मेसर्स वी.आर.बी. कं्यूमर प्रोडक्ट्स प्रा. लि., प्लांट नं. एस.पी. 3-7, आर.आई.आई.सी. इंडस्ट्रियल एरिया, गुरजार, केशवाना, कोटपुतली, राजस्थान-303108 द्वारा निर्मित खाद्य पदार्थ ‘विबा एगलेस मेयोनेज’, बैच क्रमांक के-182, निर्माण दिनांक 18 अप्रैल 2026 एवं अवसान दिनांक 17 जनवरी 2027 का विधिवत नमूना लेकर परीक्षण हेतु अधिकृत खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भेजा गया था।

काली लैब प्रा. लि., भोपाल (मध्यप्रदेश) के जांच प्रतिवेदन क्रमांक आर-0596/2026 (10596/10/07/2026), दिनांक 24 जुलाई 2026 के अनुसार उक्त खाद्य पदार्थ में एंटीऑक्सीडेंट प्रोपिल गैलेट की मात्रा निर्धारित अनुमत सीमा से अधिक पाई गई। जांच प्रतिवेदन के आधार पर खाद्य विश्लेषक द्वारा उक्त खाद्य पदार्थ को ‘असुरक्षित’ घोषित किया गया है।

खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 की धारा 36(3)(ख) में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अभिहित अधिकारी, खाद्य एवं औषधि प्रशासन, जिला कोरबा द्वारा ‘विबा एगलेस मेयोनेज’, ब्रांड विबा, बैच क्रमांक के-182, अनुज्ञप्ति संख्या 10018013001531 के विक्रय एवं वितरण को जिला कोरबा के सम्पूर्ण क्षेत्र में तत्काल प्रभाव से प्रतिबंधित किया गया है।

खाद्य कारोबारकर्ताओं से अपील- जिला प्रशासन द्वारा कोरबा जिले के समस्त खाद्य कारोबारकर्ताओं से अपील की गई है कि वे उक्त खाद्य पदार्थ को अपने प्रतिष्ठान अथवा परिसर में भंडारित एवं विक्रय न करें। यदि उक्त बैच का खाद्य पदार्थ उपलब्ध है, तो संबंधित आपूर्तिकर्ता अथवा विनिर्माता फर्म से संपर्क कर उत्पाद को वापस (रि कॉल) कराया जाए।

मे. सर्वमंगला इंटरप्राइजेस से क्षेत्र के लोगों के लिए खुला रोजगार सृजन

आज शुभ मुहूर्त में मे. सर्वमंगला इंटरप्राइजेस कनबेरी का लोकार्पण के साथ क्षेत्र के लोगों के लिए रोजगार सृजन का द्वार खुल गया। प्रारंभ में यहां क्षेत्र के 32 लोगों से अधिक लोगों को नियोजित किया गया है और सर्वमंगला ब्रिक्स के विस्तार के साथ क्षेत्र के और अधिक लोगों को रोजगार के लिए नियोजित किया जाएगा। ग्रामीण यहां सर्वमंगला एश ब्रिक्स प्लांट खुलने से काफी प्रसन्न दिखाई दे रहे हैं। उनका कहना है कि सर्वमंगला एश ब्रिक्स प्लांट खुलने से क्षेत्र की तरक्की भी होगी।

नितेश कुमार मेमोरियल लायंस पब्लिक स्कूल मड़वारानी ने सीबीएसई क्लस्टर-II खो-खो टूर्नामेंट में हासिल किया तीसरा स्थान

कोरबा/मड़वारानी (दिव्य आकाश)।

सीबीएसई (CBSE) द्वारा 18 से 20 सितंबर 2026 तक लीलाज पब्लिक स्कूल, मोतीपुर, दुर्ग (छ.ग.) में आयोजित क्लस्टर-II खो-खो टूर्नामेंट 2026 में नितेश कुमार मेमोरियल लायंस पब्लिक स्कूल, मड़वारानी के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए तीसरा स्थान (कांस्य पदक) हासिल किया है। इस शानदार उपलब्धि से स्कूल प्रबंधन और पूरे क्षेत्र में हर्ष का माहौल है।

टूर्नामेंट के दौरान विद्यालय की टीम ने अपने बेहतरीन खेल कौशल, अनुशासन और टीम भावना का परिचय देते हुए कई कड़े मुकाबलों में जीत दर्ज की। खिलाड़ियों की इस मेहनत और समर्पण के दम पर



स्कूल ने प्रतियोगिता में तीसरा स्थान प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया।

इस विशेष उपलब्धि पर स्कूल प्रबंधन, प्राचार्या एवं समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं ने सभी विजेता खिलाड़ियों को बधाई दी है। चेयरमैन डॉ. राजकुमार अग्रवाल ने कहा कि विद्यार्थियों का यह प्रदर्शन उनकी कड़ी

मेहनत और प्रशिक्षकों के सही मार्गदर्शन का परिणाम है।

विद्यालय प्रशासन ने सभी खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें निरंतर आगे बढ़ने और खेल के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित करने के लिए प्रेरित किया।

बालको मेडिकल सेंटर ने किया स्तन कैंसर की लाइव सर्जरी का आयोजन

रायपुर/बालकोनगर (दिव्य आकाश)।

मध्य भारत में कैंसर उपचार के प्रमुख केंद्र बालको मेडिकल सेंटर (बीएमसी) ने रायपुर में चौथे वार्षिक छत्तीसगढ़ कैंसर कॉन्क्लेव का शुभारंभ स्तन संरक्षण और स्तन पुनर्निर्माण की लाइव सर्जिकल डेमोन्स्ट्रेशन के साथ किया। इस दौरान देशभर से आए 50 से अधिक सर्जन और चिकित्सकों ने आधुनिक सर्जिकल तकनीकों को देखा और स्तन कैंसर के उपचार से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की।

लाइव सर्जिकल डेमोन्स्ट्रेशन का नेतृत्व मुंबई स्थित टाटा मेमोरियल अस्पताल की सर्जिकल ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ. शलाका जोशी, प्लास्टिक एवं पुनर्निर्माण सर्जन डॉ. दुष्यंत जायसवाल और कोलकाता स्थित टाटा मेडिकल सेंटर के वरिष्ठ स्तन कैंसर सर्जन डॉ. संजीत कुमार अग्रवाल ने किया।

डेमोन्स्ट्रेशन के दौरान स्तन संरक्षण सर्जरी में ट्यूमर के साथ उसके आसपास के स्वस्थ ऊतक का एक हिस्सा निकालते हुए स्तन के अधिकांश हिस्से को सुरक्षित रखने की प्रक्रिया दिखाई गई। इसमें कैंसर सर्जरी के साथ प्लास्टिक सर्जरी की तकनीकों का भी उपयोग किया गया, जिससे बचे हुए स्तन ऊतक को व्यवस्थित कर उसके आकार और स्वरूप को बनाए रखने में मदद मिलती है।

इसका का उद्देश्य आधुनिक सर्जिकल तकनीकों को साझा करने के साथ चिकित्सकों के बीच अनुभव और ज्ञान का



महिलाओं में बढ़ रहा स्तन कैंसर -डॉ.शलाका जोशी

भारत में स्तन कैंसर के बढ़ते मामलों पर डॉ. शलाका जोशी ने कहा, ‘स्तन कैंसर आज दुनिया और भारत में महिलाओं में सबसे अधिक पाए जाने वाले कैंसरों में शामिल है। भारत में इस बीमारी से जूझ रही कई महिलाएँ देर से उपचार के लिए पहुँचती हैं, जिससे उपचार अधिक जटिल और परिणाम प्रभावित हो सकते हैं। बेहतर परिणामों के लिए जागरूकता, शुरुआती पहचान, सही निदान, उचित उपचार और पुनर्वास तक देखभाल की निरंतरता जरूरी है। मरीजों के आसपास के क्षेत्रों में स्वास्थ्य विशेषज्ञों की क्षमता को मजबूत करना भी महत्वपूर्ण है। बीएमसी छत्तीसगढ़ कैंसर कॉन्क्लेव जैसे मंच चिकित्सकों को आधुनिक तकनीकों को देखने, जटिल मामलों पर चर्चा करने और अपने अनुभव साझा करने का अवसर देते हैं।

आदान-प्रदान करना था। इस दौरान सर्जिकल योजना, उपचार के विकल्पों और मरीज-केंद्रित निर्णयों पर भी चर्चा हुई।

लाइव सर्जिकल डेमोन्स्ट्रेशन में स्तन पुनर्निर्माण की भूमिका पर भी प्रकाश डाला गया। बालको मेडिकल सेंटर की



कंसल्टेंट, प्लास्टिक, पुनर्निर्माण एवं एस्थेटिक सर्जन डॉ. इशिता कात्याल ने कहा, ‘कैंसर उपचार का उद्देश्य केवल बीमारी को नियंत्रित करना नहीं, बल्कि मरीज के जीवन की गुणवत्ता को बनाए रखना भी है। स्तन पुनर्निर्माण इसी दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। हमारा प्रयास स्तन के प्राकृतिक स्वरूप और संतुलन को यथासंभव बनाए रखना है, ताकि मरीज आत्मविश्वास के साथ अपने जीवन में आगे बढ़ सके।’

इस अवसर पर छत्तीसगढ़ राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा ने बीएमसी में स्तन स्वास्थ्य क्लिनिक का शुभारंभ किया। यह पहल क्षेत्र में व्यापक स्तन स्वास्थ्य सेवाओं की पहुँच बढ़ाने के बीएमसी के प्रयासों का हिस्सा है। महिला विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम के नेतृत्व में संचालित यह क्लिनिक विभिन्न विशेषज्ञताओं को एक साथ लाकर स्तन स्वास्थ्य प्रबंधन, कैंसर उपचार, स्तन पुनर्निर्माण और कॉस्मेटिक ब्रेस्ट सर्जरी की सभी सेवाएँ एक ही स्थान पर उपलब्ध कराएगा।

इसके बारे में सर्जन आरती सरीन (सेवानिवृत्त वाइस एडमिरल), पूर्व महानिदेशक, सशस्त्र सेना चिकित्सा सेवाएँ ने कहा, ‘कैंसर उपचार में

शुरुआती पहचान और समय पर उपचार महत्वपूर्ण है। व्यापक स्तन स्वास्थ्य क्लिनिक इस क्षेत्र में स्तन स्वास्थ्य से जुड़ी संपूर्ण सेवाएँ उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसमें कैंसर की रोकथाम, नियमित जाँच, शुरुआती निदान, समय पर उपचार और पुनर्निर्माण के साथ पोषण, फिजियोथेरेपी और लिम्फेडेमा प्रबंधन जैसी सहायक सेवाएँ भी शामिल होंगी। इस पर डॉ. भावना सिरौही, मेडिकल डायरेक्टर एवं वरिष्ठ मेडिकल ऑन्कोलॉजिस्ट, बालको मेडिकल सेंटर ने कहा, ‘कैंसर उपचार से जुड़ी विभिन्न विशेषज्ञ सेवाओं को एक साथ लाकर हमारा उद्देश्य मध्य भारत में उपचार की निरंतरता को मजबूत करना और महिलाओं को निदान एवं उपचार से लेकर स्वस्थ होने तक उनकी पूरी उपचार यात्रा में आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराना है। यह दृष्टिकोण क्षेत्र में अधिक सुलभ और मरीज-केंद्रित कैंसर उपचार व्यवस्था को मजबूत करने में योगदान देगा।’

चौथा वार्षिक छत्तीसगढ़ कैंसर कॉन्क्लेव क्षेत्र में कैंसर उपचार की विशेषज्ञ क्षमताओं को मजबूत करने, चिकित्सकीय सहयोग और निरंतर सीखने को बढ़ावा देने की बीएमसी की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। देश के अग्रणी विशेषज्ञों और क्षेत्रीय चिकित्सकों को एक मंच पर लाकर यह आयोजन मध्य भारत में कैंसर उपचार से जुड़ी जानकारी और अनुभव साझा करने का अवसर प्रदान कर रहा है।

यादव निवास में विघ्नहर्ता की पूजा



कोरबा (दिव्य आकाश)। पूरे जिले में विघ्नहर्ता भगवान श्रीगणेश की पूजा की धूम मची हुई है। गणेश की प्रतिमा का विसर्जन का दौर भी प्रारंभ हो गया है। इसी कड़ी में सर्वमंगला रोड पटेल पारा में यादव निवास में भगवान श्री गणेश का उत्सव मनाया गया और प्रतिमा स्थापित कर पूजा अर्चना की गई।

आंगनबाड़ी केंद्र कोहड़िया चारापारा में कार्यक्रम 25 को कोरबा (दिव्य आकाश)। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत जिले में ‘आंगन मिलन सेवा’ कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इसके तहत जिले के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों में जनभागीदारी से विविध गतिविधियाँ आयोजित की जाएंगी।

सेवा संकल्प अभियान के तहत आर्थिक रूप से कमजोर मेधावी छात्रा यागिनी कंवर की एमबीबीएस शिक्षा का खर्च उठाएगा जिला प्रशासन

कोरबा (दिव्य आकाश)।

बचपन से पढ़ाई में मेधावी यागिनी कंवर ने डॉक्टर बनकर लोगों की सेवा करने का सपना संजोया था। दसवीं कक्षा के बाद से ही उन्होंने अपने लक्ष्य को स्पष्ट करते हुए नीट की तैयारी शुरू की और एमबीबीएस में प्रवेश को अपने जीवन का संकल्प बनाया। निरंतर मेहनत और लगन से यागिनी ने नीट-2026 में सफलता हासिल की और चंदूलाल चंद्राकर स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय दुरा में एमबीबीएस पाठ्यक्रम में प्रवेश प्राप्त किया।

विकासखंड कोरबा के ग्राम दोंदरो की रहने वाली यागिनी के सपनों को उनके परिवार की सीमित आर्थिक स्थिति ने



चुनौती दी। ऐसी परिस्थिति में सेवा संकल्प अभियान के तहत जिला प्रशासन ने उनकी उच्च शिक्षा की राह को आर्थिक सहयोग से मजबूती प्रदान की है। कलेक्टर एवं जिला खनिज संस्थान न्यास (डीएमएफटी)

कोरबा कुणाल दुदावत के मार्गदर्शन में संचालित 'स्वामी विवेकानंद जिला खनिज न्यास शिक्षा प्रोत्साहन योजना' के अंतर्गत यागिनी की एमबीबीएस की संपूर्ण शिक्षण शुल्क की जिम्मेदारी उठाने का प्रस्ताव

स्वीकृत किया गया है।

कलेक्टर कुणाल दुदावत ने गुरुवार को यागिनी कंवर को प्रथम सेमेस्टर के शिक्षण शुल्क की राशि 53,500 रुपये का डिमांड ड्राफ्ट प्रदान किया। उच्च शिक्षा के लिए समय पर मिले इस सहयोग से यागिनी की पढ़ाई में आर्थिक बाधा दूर हुई है और डॉक्टर बनने के उनके सपने को नई गति मिली है। कुमारी यागिनी कंवर के लिए यह अवसर वर्षों की मेहनत का परिणाम है। पढ़ाई के प्रति उनकी रुचि और चिकित्सक बनकर समाज की सेवा करने की इच्छा ने उन्हें निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। नीट की सफलता के बाद एमबीबीएस में प्रवेश मिलने से उनका सपना अब साकार होने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। जिला प्रशासन से मिली

सहायता उनके इस सफर में महत्वपूर्ण संबल बन रही है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा कोरबा जिले को जिला खनिज न्यास के माध्यम से विकास कार्यों के लिए महत्वपूर्ण संसाधन उपलब्ध कराया है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी की शिक्षा के माध्यम से युवाओं को अवसर प्रदान करने की सोच और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार की जनकल्याणकारी पहल के अनुरूप जिला प्रशासन द्वारा आर्थिक रूप से पिछड़े एवं प्रतिभावान विद्यार्थियों की उच्च शिक्षा को निरंतर प्रोत्साहित किया जा रहा है। डीएमएफटी के माध्यम से संचालित शिक्षा प्रोत्साहन योजना का लक्ष्य प्रतिभा को आर्थिक परिस्थितियों से मुक्त कर विद्यार्थियों को उनकी क्षमता

के अनुरूप आगे बढ़ने का अवसर देना है।

कलेक्टर कुणाल दुदावत ने यागिनी को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए मन लगाकर पढ़ाई करने और अपने चिकित्सकीय ज्ञान का उपयोग समाज की सेवा में करने के लिए प्रेरित किया। यागिनी ने जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मिली सहायता से उनकी पढ़ाई निरंतर जारी रखने का विश्वास मजबूत हुआ है। यागिनी जैसे प्रतिभावान विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए मिला यह सहयोग सेवा संकल्प अभियान की उस भावना को दर्शाता है, जिसमें जिले की प्रतिभाओं की शिक्षा में आर्थिक परिस्थितियां बाधा न बनें और हर विद्यार्थी अपने सपनों को पूरा करने की दिशा में आगे बढ़ सके।

सेवा संकल्प अभियान के तहत प्रतीक्षा बस स्टैंड स्थित तालाब में चला विशेष सफाई अभियान

कोरबा/दीपका (दिव्य आकाश)।

सेवा संकल्प अभियान के तहत नगर पालिका परिषद दीपका द्वारा गुरुवार प्रातः 08 बजे प्रतीक्षा बस स्टैंड स्थित तालाब में विशेष सफाई अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान तालाब परिसर एवं आसपास के क्षेत्र में व्यापक स्तर पर साफ-सफाई की गई तथा जमा कचरे एवं गंदगी को हटाया गया।

सफाई अभियान में नगर पालिका उपाध्यक्ष श्रीमती संगीता साहू, एल्डरमैन श्रीमती सुभद्रा यादव एवं आनंद चौकसे, मुख्य नगर पालिका अधिकारी नेतराम रत्नेश सहित नगर पालिका के अधिकारी-कर्मचारियों ने सक्रिय रूप से सहभागिता करते हुए स्वयं सफाई कार्य किया। इस दौरान तालाब के आसपास की स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाने के साथ ही जलस्रोत को



स्वच्छ एवं सुंदर बनाए रखने पर विशेष जोर दिया गया। अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों ने कहा कि सार्वजनिक स्थलों और जलस्रोतों की स्वच्छता केवल नगर पालिका की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है।

सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से नागरिकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करते हुए स्वच्छ एवं सुंदर दीपका के निर्माण में सहयोग करने का संदेश दिया गया। नगर पालिका परिषद द्वारा नागरिकों से अपील की गई कि तालाब एवं अन्य सार्वजनिक स्थलों पर कचरा न फेंकें और स्वच्छता बनाए रखने में नगर पालिका का सहयोग करें।

कोरबा जिले की तीन रेत खदानों के लिए इलेक्ट्रॉनिक-नीलामी 21 अक्टूबर से

कुदमुरा, चारपारा और भिलाईखुर्द रेत खदानों के उत्खनन पट्टा आबंटन हेतु होगी रिवर्स ऑक्शन कोरबा (दिव्य आकाश)।

खनिज शाखा, जिला कोरबा द्वारा छत्तीसगढ़ गौण खनिज साधारण रेत (उत्खनन एवं व्यवसाय) नियम, 2025 के नियम-7 के अंतर्गत चतुर्थ चरण में जिले की तीन रेत खदानों के उत्खनन पट्टा आबंटन हेतु इलेक्ट्रॉनिक-नीलामी (रिवर्स ऑक्शन) आयोजित की जाएगी।

इलेक्ट्रॉनिक-नीलामी के माध्यम से ग्राम कुदमुरा, तहसील भैसमा, ग्राम चारपारा, तहसील दरौ तथा ग्राम भिलाईखुर्द, तहसील कोरबा स्थित रेत खदानों के उत्खनन पट्टे का आबंटन किया जाना है। इसके लिए निर्धारित अर्हता पूरी करने वाले इच्छुक बोलीदार इलेक्ट्रॉनिक-नीलामी में भाग ले सकते हैं।

इलेक्ट्रॉनिक-नीलामी में बोली प्रारंभ करने की तिथि 21 अक्टूबर 2026 को प्रातः 10 बजे से निर्धारित की गई है, जबकि बोली में भाग लेने की अंतिम तिथि 27 अक्टूबर 2026 को शाम 5 बजे तक है। इच्छुक बोलीदार इलेक्ट्रॉनिक-नीलामी में भाग लेने, खदानों के आबंटन से संबंधित नियम एवं शर्तों तथा अन्य विस्तृत जानकारी एमएसटीसी के आधिकारिक पोर्टल पर प्राप्त कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त जानकारी जिले की वेबसाइट, छत्तीसगढ़ खनिज विभाग की वेबसाइट तथा कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा), कोरबा एवं संबंधित ग्राम पंचायत, जनपद पंचायत तथा जिला पंचायत भवन के सूचना पटल से भी प्राप्त की जा सकती है। इस संबंध में अधिक जानकारी के लिए मो.नं. 7587350731 पर संपर्क किया जा सकता है।

नोएडा में चलती स्लीपर बस में आग, 9 जिंदा जले

नोएडा, एंजेंसी।

नोएडा में बुधवार रात यमुना एक्सप्रेस-वे पर चलती स्लीपर बस में आग लगने से 9 यात्रियों की मौत हो गई। इनमें 8 पुरुष और एक महिला है।

बस में कुल 35 यात्री सवार थे। 20 को रेस्क्यू किया गया, जबकि कुछ लोग खिड़कियां तोड़कर निकले। अंदर फंसे लोग बुरी तरह जल गए। उनके शव तक की पहचान नहीं हो



पाई। बस दिल्ली के कश्मीरी गेट से रात 9:30 बजे महोबा के लिए निकली थी। करीब 11:30 बजे जेवर एयरपोर्ट से 500 मीटर आगे इसमें आग लग गई।

पैसेंजर बोले- ड्राइवर-क्लीनर सिगरेट पी रहे थे

बस में सफर कर रहे सुनील कुमार ने पुलिस को बताया कि ड्राइवर-क्लीनर सिगरेट पी रहे थे। यात्रियों ने विरोध किया तो दोनों हंसने लगे।

बस में जलने की गंध भी आ रही थी, कुछ देर बाद उसमें आग लग गई। आग के बावजूद ड्राइवर ने तुरंत बस नहीं रोकी। यात्रियों के शीशे तोड़ने के बाद ही उसे रोका गया।

मृतक के परिजनों ने कर्ज को आत्महत्या का मूल कारण बताए जाने से किया इनकार

कोरबा (दिव्य आकाश)। मीडिया में ग्राम बगबुड़ा निवासी परदेशीराम कंवर, पिता मानसाय कंवर, उम्र लगभग 51 वर्ष द्वारा कीटनाशक का सेवन कर आत्महत्या किए जाने संबंधी समाचार प्रसारित हुआ था। प्रसारित समाचार में आत्महत्या का कारण कर्ज एवं खेती-किसानी के बोझ से परेशान होना तथा पुत्रों से सहयोग प्राप्त नहीं होना बताया गया था।

उक्त समाचार के संबंध में तथ्यात्मक स्थिति की जानकारी प्राप्त करने के लिए आज दिनांक 24 सितंबर 2026 को तहसीलदार भैसमा, संबंधित हल्का पटवारी, ग्राम सरपंच बगबुड़ा एवं ग्रामवासियों की उपस्थिति में मृतक के परिवार के सदस्यों से पूछताछ की गई। पूछताछ के दौरान मृतक की पत्नी श्रीमती ननकी नोनी कंवर ने बताया कि उनके पति द्वारा आत्महत्या किए जाने का मूल कारण कर्ज नहीं है। परिवार द्वारा आत्महत्या के संबंध में किसी स्पष्ट कारण की जानकारी होना भी नहीं बताया गया। इस प्रकार इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में प्रसारित समाचार में आत्महत्या के कारण के रूप में कर्ज एवं खेती-किसानी के बोझ का उल्लेख किया गया था, जिसकी पुष्टि मृतक के परिजनों द्वारा नहीं की गई है। मौके पर उपस्थित ग्राम सरपंच, ग्रामवासियों एवं परिवार के सदस्यों की उपस्थिति में इस संबंध में पंचनामा तैयार किया गया।

11 दिव्यांगजनों को मिली बैटरी चलित ट्राइसाइकिल, बच्चे को प्रदान किया गया श्रवण यंत्र

कोरबा/पोड़ी-उपरोड़ा (दिव्य आकाश)।

सेवा संकल्प अभियान के तहत जिले के पोड़ी उपरोड़ा में दिव्यांग सहायता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य जरूरतमंद दिव्यांगजनों को उनकी आवश्यकता के अनुरूप सहायता एवं उपयोगी उपकरण उपलब्ध कराकर उन्हें सुगम आवागमन तथा बेहतर जीवन की सुविधा प्रदान करना रहा।

शिविर में 11 दिव्यांगजनों को बैटरी चलित ट्राइसाइकिल प्रदान की गई। ट्राइसाइकिल मिलने से दिव्यांगजनों के



आवागमन में सुविधा होगी और वे अपने दैनिक कार्यों के लिए अधिक आत्मनिर्भर होकर आवागमन कर सकेंगे। सहायता सामग्री प्राप्त करने वाले दिव्यांगजनों के चेहरों पर खुशी और संतोष दिखाई दिया। इसी क्रम में एक बच्चे को श्रवण यंत्र भी प्रदान किया गया। श्रवण यंत्र मिलने से बच्चे

को सुनने में सहायता मिलेगी तथा उसकी दैनिक गतिविधियों और संवाद में सुविधा होने की उम्मीद है। जरूरतमंदों को उनकी आवश्यकता के अनुरूप सहायता उपलब्ध कराने की यह पहल सेवा संकल्प अभियान की संवेदनशील भावना को साकार करती है। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष पवन

सिंह, जनपद अध्यक्ष श्रीमती माधुरी तंवर, जनपद उपाध्यक्ष प्रकाश जाखड़, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), जनपद सदस्यगण, उप संचालक समाज कल्याण, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर बड़ी संख्या में दिव्यांगजन भी शामिल हुए। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित यह शिविर दिव्यांगजनों को आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराने, उनके जीवन को सुगम बनाने तथा उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में एक सार्थक पहल रहा।

सबसे पहले लाइफ इश्योरिस

एलआईसी का जीवन उत्सव

Plan No.: 871 UIN: 512N363V01

<

एल्युमिनियम: ऊर्जा को दूर-दूर तक पहुँचाने वाली धातु

बालकोनगर (दिव्य आकाश)।

भारत जब 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने और वैश्विक विनिर्माण केंद्र के रूप में अपनी पहचान मजबूत करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है, तब ऊर्जा क्षेत्र आर्थिक विकास और औद्योगिक प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। पारंपरिक बिजली उत्पादन से लेकर सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा और बिजली पहुंचाने वाले नेटवर्क तक, देश का ऊर्जा क्षेत्र तेजी से आगे बढ़ रहा है। इसके साथ ही डेटा सेंटर, डिजिटल सुविधाओं, उद्योगों और व्यवसायों के विस्तार से भरोसेमंद बिजली की मांग भी बढ़ रही है।



एल्युमिनियम अच्छी विद्युत चालकता के साथ हल्के भी

बिजली का उत्पादन करना केवल शुरुआत है, उसे जरूरत की जगह तक पहुंचाना भी उतना ही जरूरी है। घरों, उद्योगों, रेलवे, मेट्रो, हवाई परिवहन और व्यवसायों तक बिजली पहुंचाने के लिए मजबूत बुनियादी ढांचे की आवश्यकता होती है। इस व्यवस्था में एल्युमिनियम महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। हल्का वजन, जंग से बचाव, अच्छी विद्युत चालकता और पुनर्चक्रण की क्षमता इसे ऊर्जा से जुड़े विभिन्न कार्यों के लिए उपयोगी बनाती है। सौर पैनलों के फ्रेम, उन्हें लगाने वाली संरचनाओं, बिजली ग्रिड और पवन ऊर्जा के विभिन्न घटकों में इसका इस्तेमाल होता है। भारत में कई रिन्यूएबल एनर्जी परियोजनाएं शहरों और औद्योगिक केंद्रों से दूर स्थित हैं, जहां बिजली की खपत अधिक होती है। ऐसे में उत्पादित बिजली को लंबी दूरी तक पहुंचाने के लिए मजबूत ट्रांसमिशन नेटवर्क जरूरी हैं। बिजली उत्पादन केंद्र से वितरण केंद्रों और फिर घरों एवं कारखानों तक पहुंचने के सफर में एल्युमिनियम अहम योगदान देता है। ओवरहेड बिजली लाइनों में एल्युमिनियम आधारित कंडक्टर का व्यापक उपयोग होता है। इनकी खासियत है कि ये अच्छी विद्युत चालकता के साथ हल्के भी होते हैं।

तांबा भी विद्युत का अच्छा चालक, लेकिन एल्युमिनियम का वजन काफी कम

तांबा भी बिजली का अच्छा चालक है, लेकिन एल्युमिनियम का वजन काफी कम होता है। एल्युमिनियम की विद्युत चालकता, समान आयतन के आधार पर, तांबे की लगभग 61 प्रतिशत है। हालांकि, कम वजन और अपेक्षाकृत कम लागत के कारण यह लंबी दूरी तक बिजली पहुंचाने के लिए उपयोगी विकल्प बनता है। हल्के कंडक्टर बिजली के टावरों पर पड़ने वाले भार को कम करने, स्थापना लागत घटाने और शहरी तथा दूरदराज के क्षेत्रों में बिजली नेटवर्क के विस्तार में मदद करते हैं। इस तरह एल्युमिनियम देश के व्यापक बिजली नेटवर्क को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। भारत का ऊर्जा तंत्र लगातार विकसित हो रहा है और इसमें एल्युमिनियम का उपयोग कई क्षेत्रों में होता है। एलएनजी सुविधाओं, समुद्री तेल एवं गैस प्लेटफॉर्म, भंडारण प्रणालियों और पाइपलाइन से जुड़े ढांचे के साथ-साथ रिन्यूएबल एनर्जी और विद्युत बुनियादी ढांचे में भी इसकी उपयोगिता है।

एल्युमिनियम से चक्रीय अर्थ व्यवस्था को बल

एल्युमिनियम की एक और महत्वपूर्ण विशेषता है इसकी पुनर्चक्रण क्षमता। इसे दोबारा उपयोग में लाया जा सकता है, जिससे संसाधनों का बेहतर इस्तेमाल और चक्रीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलता है। यह भारत की सस्टेनेबल विकास की दिशा में जारी कोशिशों का भी एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) के अनुसार, औद्योगीकरण, शहरीकरण और बढ़ते विद्युतीकरण के कारण भारत की ऊर्जा मांग वर्ष 2027 तक हर साल 6.3 प्रतिशत बढ़ने का अनुमान है। वहीं, देश अपनी स्थापित बिजली क्षमता का 50 प्रतिशत गैर-जीवाश्म ईंधन स्रोतों से हासिल कर चुका है। भारत का लक्ष्य वर्ष 2030 तक 500 गीगावाट गैर-जीवाश्म ऊर्जा क्षमता हासिल करना और वर्ष 2070 तक नेट-जीरो उत्सर्जन की दिशा में आगे बढ़ना है। इन लक्ष्यों के लिए रिन्यूएबल एनर्जी, बिजली ट्रांसमिशन नेटवर्क, ऊर्जा भंडारण और ग्रीन हाइड्रोजन जैसे नए क्षेत्रों में व्यापक विकास की जरूरत होगी। इस दिशा में भारत की अग्रणी एल्युमिनियम उत्पादक कंपनियों में से एक भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) देश की बढ़ती ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने में योगदान दे रही है। कंपनी बिलेट्स, वायर रॉड्स, इनगॉट्स और रोड्ड उत्पादों सहित विभिन्न उत्पादों के माध्यम से बिजली ट्रांसमिशन एवं वितरण नेटवर्क, विद्युत बुनियादी ढांचे, रिन्यूएबल एनर्जी प्रणालियों और अन्य ऊर्जा परियोजनाओं को सहयोग देती है।

घरेलू एल्युमिनियम वायर राइस क्षेत्र में बालको की बाजार में हिस्सेदारी 33 प्रतिशत

घरेलू एल्युमिनियम वायर रॉड्स क्षेत्र में लगभग 33 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी के साथ बालको की महत्वपूर्ण उपस्थिति है। 5.75 लाख टन वार्षिक उत्पादन क्षमता वाली कंपनी अपनी क्षमता को 10 लाख टन तक बढ़ाने की दिशा में काम कर रही है। सूरज की रोशनी से ऊर्जा प्राप्त करने से लेकर पवन ऊर्जा का उपयोग करने और बिजली को लंबी दूरी तक पहुंचाने तक, एल्युमिनियम भारत के ऊर्जा भविष्य को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

बालको में एल्युमिनियम की उत्पादन क्षमता 10 लाख टन करने का लक्ष्य

बालको उत्पादन क्षमता बढ़ाने के साथ कोरबा को एल्युमिनियम डाउनस्ट्रीम उद्योगों का प्रमुख केन्द्र बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। परियोजना विस्तार पूरी होने के बाद बालको की एल्युमिनियम उत्पादन क्षमता 10 लाख टन प्रतिवर्ष हो जाएगी, इसके साथ वेदांता की क्षमता 28.5 लाख टन पहुंच जाएगी।

बालको मेडिकल सेंटर ने मध्य भारत में कैंसर उपचार को बनाया अधिक सुलभ

बालकोनगर (दिव्य आकाश)।

कैंसर का पता चलना अपने आप में एक बड़ी चुनौती है। लेकिन मध्य भारत के कई मरीजों के लिए असली चुनौती उपचार केंद्र तक पहुँचना भी है। छोटे शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों से मरीजों को कई सौ किलोमीटर दूर बड़े अस्पतालों तक जाना पड़ता है। रहने की व्यवस्था, काम से छुट्टी और बार-बार परामर्श, जाँच, कीमोथेरेपी, सर्जरी और फॉलो-अप के लिए यात्रा, ये सब परिवारों पर आर्थिक और मानसिक दबाव बढ़ा सकते हैं।



कैंसर के खिलाफ जंग के लिए 2018 में बीएमसी की स्थापना

इसी चुनौती को कम करने के उद्देश्य से वर्ष 2018 में नया रायपुर में बालको मेडिकल सेंटर (बीएमसी) की स्थापना हुई। आज आठ वर्षों बाद बीएमसी मध्य भारत में विशेषज्ञ कैंसर उपचार की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने वाले प्रमुख केंद्रों में शामिल है। अब तक यहाँ 75,000 से अधिक मरीजों का उपचार, लगभग 5 लाख ओपीडी परामर्श, 96,000 से अधिक कीमोथेरेपी सत्र और 13,500 से अधिक सर्जरी का जा चुकी हैं।

पैंक्रियाज कैंसर की सफलता पूर्वक सर्जरी:सामान्य जीवन पर लौटा युवक

इसी तरह, 48 वर्षीय एक मरीज को पैंक्रियाज के ऐसे कैंसर का पता चला, जिसकी सर्जरी चुनौतीपूर्ण थी। विशेषज्ञ चिकित्सकों के समन्वय से बीएमसी में उनका उपचार किया गया। दो वर्ष बाद जब वे फॉलो-अप के लिए लौटे, तो वे स्वस्थ थे और सामान्य जीवन में वापस आ चुके थे।

अधिक बोन मैरो ट्रांसप्लांट किए जा चुके हैं और इसका ट्रांसप्लांट कार्यक्रम मध्य भारत के बड़े कार्यक्रमों के समन्वय है।

उपचार के साथ मरीजों और उनके परिजनों की अन्य जरूरतों का भी ध्यान रखा जाता है। सुख सराय में उपचार के दौरान रियायती आवास की सुविधा मिलती है। दूरदराज के मरीजों के लिए परिवहन सहायता उपलब्ध है, जबकि कीमोथेरेपी से

बीएमसी में कैशलेस ईलाज से कई प्रदेशों को लाभ

आज बीएमसी तक छत्तीसगढ़ के अलावा ओडिशा, मध्य प्रदेश, झारखंड, महाराष्ट्र और आंध्र प्रदेश से भी मरीज पहुँच रहे हैं। इससे नया रायपुर की भूमिका क्षेत्रीय कैंसर उपचार केंद्र के रूप में मजबूत हो रही है। बालको मेडिकल सेंटर में सभी सरकारी योजनाओं जैसे आयुष्मान भारत, मुख्य मंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना के अलावा सभी इश्योरेंस कंपनी द्वारा भी कैशलेस इलाज की सुविधा उपलब्ध है। विशेषज्ञ उपचार, ट्रांसप्लांट, बहु-विषयक चिकित्सा, आर्थिक सहायता, आवास, परिवहन और शुरुआती जाँच, इन सभी को एक साथ लाकर बीएमसी कैंसर उपचार की राह में आने वाली कई दूरियों को कम करने का प्रयास कर रहा है। उद्देश्य यही है कि मरीज की उपचार यात्रा में दूरी उसकी उम्मीद और उपचार के बीच बाधा न बने।

‘कैंसर उपचार में संतुलन की पुनर्स्थापना’ विषय पर 500 से अधिक राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय विशेषज्ञ और 11 अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ जुटे

बीएमसी का वार्षिक कॉन्क्लेव कैंसर के क्षेत्र में मील का पत्थर साबित होगा: विष्णु देव साय



रायपुर (दिव्य आकाश)।

वेदांता मेडिकल रिसर्च फाउंडेशन की इकाई और मध्य भारत में कैंसर उपचार के प्रमुख केंद्र बालको मेडिकल सेंटर (बीएमसी) ने चौथे बीएमसी छत्तीसगढ़ कैंसर कॉन्क्लेव का शुभारंभ किया। 18 से 20 सितंबर तक नया रायपुर स्थित मेफेयर लेक रिजॉर्ट में आयोजित तीन दिवसीय कॉन्क्लेव में देश-विदेश के प्रमुख कैंसर विशेषज्ञ, चिकित्सक, शोधकर्ता और स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञ शामिल हुए।

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सर्वाइकल कैंसर उन्मूलन कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ शासन के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल और स्वास्थ्य विभाग के सचिव अमित कटारिया, आईएएस भी उपस्थित रहे।

इस पहल का उद्देश्य जमीनी स्तर पर सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम और शुरुआती पहचान के लिए राज्य के प्रयासों को और मजबूत करना तथा भारत और विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के सर्वाइकल कैंसर उन्मूलन के व्यापक लक्ष्य में योगदान देना है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा, ‘सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम संभव है। हमारा संकल्प है कि हम सर्वाइकल कैंसर मुक्त छत्तीसगढ़ से सर्वाइकल कैंसर मुक्त भारत की ओर आगे बढ़ें। इस मिशन में बीएमसी का वार्षिक कॉन्क्लेव क्षेत्र में कैंसर उपचार के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा।’

छत्तीसगढ़ शासन के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा, ‘यह उत्साहजनक है कि देश और दुनिया के प्रमुख कैंसर विशेषज्ञ और स्वास्थ्य क्षेत्र के विशेषज्ञ रायपुर में एक साथ आए हैं।’

‘कैंसर उपचार में संतुलन की पुनर्स्थापना’ विषय पर आयोजित कॉन्क्लेव में स्तन, स्त्री रोग संबंधी और मूत्र-जनन तंत्र के कैंसर के

बीएमसी का उद्देश्य कैंसर के खिलाफ प्रभावी ईलाज

डॉ. भावना सिरोही, मेडिकल डायरेक्टर, बालको मेडिकल सेंटर ने कहा, ‘बीएमसी में हमारा मानना है कि कैंसर की रोकथाम बीमारी का बोझ कम करने का एक प्रभावी तरीका है और केवल भौगोलिक दूरी के कारण किसी मरीज की गुणवत्तापूर्ण उपचार तक पहुँच प्रभावित नहीं होनी चाहिए। हमारा उद्देश्य मध्य भारत में ऐसी व्यापक कैंसर देखभाल व्यवस्था विकसित करना है, जहाँ मरीजों को अपने घर के करीब रोकथाम, जाँच, निदान, उपचार, पुनर्वास और सहायक सेवाएँ मिल सकें।’

उपचार में सही विकल्प चुनने पर विशेष चर्चा हुई। इसमें आधुनिक चिकित्सा तकनीकों के साथ वैज्ञानिक प्रमाणों पर आधारित निर्णय, मरीज-केंद्रित उपचार, उपचार की किफायती पहुँच, रोकथाम और समान अवसर पर जोर दिया गया।

बीएमसी ने केन्सर, टाटा मेमोरियल सेंटर और नेशनल कैंसर ग्रिड के सहयोग से आयोजित इस कॉन्क्लेव में 20 से अधिक विशेषज्ञ पैनल चर्चाएँ, सजीव सर्जिकल प्रदर्शन और विशेष व्यावहारिक कार्यशालाएँ आयोजित कीं। सर्वाइकल कैंसर उन्मूलन के व्यापक लक्ष्य में 500 से अधिक राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय विशेषज्ञों तथा 11 अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों सहित सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ, शोधकर्ता और स्वास्थ्यकर्मी शामिल हुए।

महिलाओं में होने वाले कैंसर के बेहतर उपचार पर केंद्रित चौथे बीएमसी छत्तीसगढ़ कैंसर कॉन्क्लेव

डॉ. रवि कन्नन सम्मानित

कैंसर उपचार में उल्लेखनीय योगदान के लिए बीएमसी ने वेदावती अग्रवाल औरेशन अवॉर्ड से डॉ. रवि कन्नन को सम्मानित किया। उन्हें टिकाऊ और समान अवसर वाली कैंसर देखभाल तथा गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं को आगे बढ़ाने में उनके योगदान के लिए यह सम्मान दिया गया। यह औरेशन वेदांता मेडिकल रिसर्च फाउंडेशन की चेयरपर्सन श्रीमती ज्योति अग्रवाल ने अपनी माता और वेदांता के चेयरमैन अनिल अग्रवाल की माता स्वर्गीय श्रीमती वेदावती अग्रवाल जी की स्मृति में शुरू किया है। इसका उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण और समान अवसर वाली कैंसर देखभाल को सभी तक पहुँचाने की साझा सोच को आगे बढ़ाना है।



स्थानीय जरूरतों के अनुरूप शोध के महत्व पर डॉ. दिवाकर पांडेय, कंसल्टेंट सर्जिकल ऑन्कोलॉजिस्ट, बालको मेडिकल सेंटर ने कहा, ‘कैंसर उपचार की प्रभावी और टिकाऊ रणनीति तैयार करने में शोध की महत्वपूर्ण भूमिका है। यह देखकर खुशी होती है कि युवा कैंसर विशेषज्ञ अपने मरीजों और समुदायों की स्थानीय जरूरतों से जुड़े शोध में बढ़-चढ़कर भाग ले रहे हैं। ऐसे शोध से रोकथाम और उपचार की ऐसी रणनीतियाँ विकसित करने में मदद मिल सकती है, जो प्रभावी होने के साथ किफायती और स्थानीय जरूरतों के अनुरूप हों।’

कॉन्क्लेव में वृमेन फॉर ऑन्कोलॉजी (डब्ल्यू4ओ) का आयोजन भी हुआ। यह महिला कैंसर विशेषज्ञों के बीच सहयोग, मार्गदर्शन और नेतृत्व को बढ़ावा देने वाला मंच है। अकादमिक कार्यक्रमों के साथ बीएमसी ने ‘कैनवास फॉर ‘ए’ लाइफ’ कला एवं विरासत प्रदर्शनी भी आयोजित की। इसका उद्देश्य बीएमसी चैरिटेबल फंड के माध्यम से मरीजों को उपचार, जाँच और पोषण के लिए आर्थिक सहायता के साथ उपचार के दौरान आवास और अन्य आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराना है। कॉन्क्लेव का समापन क्षेत्र में कैंसर की रोकथाम को जनस्वास्थ्य की प्राथमिकता बनाने के संकल्प के साथ हुआ।